

03 हार्ट अटैक: मौत मामलों ने डराना शुरू कर दिया है

06 चीन का आक्रमण और कांग्रेस

08 इस गुफा में छिपा है कलयुग का अंत का राज और चारों धाम...

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : हॉर्न का अधिक उपयोग न करें: सड़क सुरक्षा पर हॉर्न के प्रभाव

सड़क पर यात्रा करते समय हॉर्न बजाना एक सामान्य व्यवहार है, लेकिन अत्यधिक हॉर्न बजाने से न केवल ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। आइए जानें कि हॉर्न बजाने के इन दुष्प्रभावों से हम और हमारे समाज को क्या-क्या नुकसान हो सकता है।

1. ध्वनि प्रदूषण

अत्यधिक हॉर्न बजाने से ध्वनि प्रदूषण में वृद्धि होती है। यह न केवल आसपास के लोगों के लिए असुविधाजनक होता है, बल्कि यह श्रवण शक्ति को भी प्रभावित कर सकता है। उच्च ध्वनि स्तर के कारण सिरदर्द, तनाव और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

2. एकाग्रता में कमी

हॉर्न की तेज आवाज ड्राइवरों और राहगीरों की एकाग्रता को भंग करती है। इससे सड़क पर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ड्राइवर का ध्यान बंटने से वह आवश्यक निर्णय लेने में चूक कर सकता है, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

3. अस्थिरता और आक्रामकता

लगातार हॉर्न बजाने से सड़क पर तनाव और आक्रामकता बढ़ सकती है। यह देखा गया है कि हॉर्न की आवाज से लोग जल्दी गुस्सा हो जाते हैं, जिससे सड़क पर झगड़े और असुरक्षा का माहौल



बनता है।

4. गलत संदेश

अत्यधिक हॉर्न बजाने से यह संदेश भी जाता है कि सड़क पर अनुशासन की कमी है। इससे नए ड्राइवर और युवा यह समझ सकते हैं कि हॉर्न बजाना एक सामान्य और आवश्यक व्यवहार है, जिससे सड़क पर अव्यवस्था और अनियंत्रित यातायात की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

5. पर्यावरण पर प्रभाव

हॉर्न की अधिकता से ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। हालांकि यह सीधा संबंध



नहीं है, लेकिन जब ड्राइवर अक्सर हॉर्न बजाने के लिए बार-बार ब्रेक और एक्सेलेरेटर का उपयोग करते हैं, तो ईंधन की खपत बढ़ती है और वायु प्रदूषण भी बढ़ता है।

समाधान

सिविल अनुशासन: ड्राइवरों को जागरूक करना चाहिए कि वे केवल आपात स्थितियों में ही हॉर्न का उपयोग करें।

सख्त नियम और कानून: सरकार को हॉर्न बजाने के नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया चाहिए।

शिक्षा और जागरूकता: ट्रैफिक पुलिस और अन्य संस्थानों द्वारा नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग हॉर्न के दुष्प्रभावों को समझ सकें।

इस प्रकार, अत्यधिक हॉर्न बजाने से बचना न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। हमें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सड़क पर शांति और अनुशासन बनाए रखने के लिए योगदान देना चाहिए।

डॉ अंकुश शरण, राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)
roadsafetysquad@gmail.com

मनचाहे ढाबों पर नहीं रोक सकेंगे रोडवेज बस, चालक-परिचालक को मिले ये निर्देश



रोडवेज बसों के चालक और परिचालक अपनी मर्जी से मनचाहे ढाबों पर बसों को रोक देते हैं। जहां यात्रियों से खाद्य पदार्थों का मनमाना शुल्क वसूला जाता है। इसे देखते हुए परिवहन निगम ने निर्देश दिए हैं कि मनचाहे ढाबे पर बस रोकें तो चालक-परिचालक पर कार्रवाई होगी।

आगरा। आगरा परिवहन निगम की बसों को चालक-परिचालक मनचाहे ढाबे पर रोक देते हैं। अब ऐसे चालक-परिचालक के खिलाफ परिवहन निगम कार्रवाई करेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक ने प्रवर्तन टीम को ऐसी बसों की लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम ने प्रत्येक मार्ग पर ढाबे अधिकृत किए हैं। यहां चालक-परिचालक के साथ यात्री भी भोजन करते हैं। अनुबंधित ढाबा स्वामी परिवहन निगम को इसकी एवज में शुल्क अदा करता है। आरोप है कि अधिकांश चालक अपनी सेंटिंग

वाले ढाबों पर बस रोकते हैं। यहां ढाबा स्वामी मनमाने शुल्क पर यात्रियों को खाद्य पदार्थ देते हैं। चूँकि बस लंबी दूरी वाली होती है और अन्य किसी स्थान पर रुकती नहीं तो यात्रियों को मजबूरन महंगे ढाबों पर खाद्य पदार्थ खरीदना पड़ता है।

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मुख्यालय ने क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र भेजकर ऐसे बस चालक-परिचालक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

ढाबा स्वामी से मिलता है कमीशन
परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि चालक-परिचालक जिन ढाबों पर बसों को रोकते हैं, वहां पर उनको कमीशन मिलता है। अनुबंधित ढाबे पर निगम की ओर से तय रेट के हिसाब से यात्रियों को भोजन व अन्य खाद्य पदार्थ बेचे जाते हैं। यहां उन्हें स्वयं के खाने का भुगतान भी करना पड़ता है।

320 करोड़ की लागत से बनेगा 9.847 किमी लंबा चंपावत बाईपास

परिवहन विशेष न्यूज

चंपावत। चारधाम परियोजना के अंतर्गत टनकपुर से पिथौरागढ़ तक निर्मित सड़क पर प्रस्तावित तीन बाईपास के निर्माण के लिए ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष और सदस्यों ने बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया। परियोजना के अंतर्गत अन्य 126 किमी सड़क बन गई है। चंपावत, लोहाघाट और पिथौरागढ़ में समरेखण सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ओवरसाइट कमेटी से अनुमति के बाद ही इन बाईपासों का निर्माण हो पाएगा। चंपावत का बाईपास 320 करोड़ की लागत से बनेगा जो 9.847 किमी लंबा होगा। शुक्रवार को गठित समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एके सीकरी, डॉ. एन. बाला, एसके गोयल और डीके शर्मा की टीम चंपावत पहुंची। टीम ने जिला प्रशासन, सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक कर बाईपास निर्माण के संबंध में समीक्षा की और जिला मुख्यालय में बने वाले बाईपास का शक्तिपुर बुंगा क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण भी किया। डीएम नवनीत पांडे ने बताया कि वर्तमान में नगर के मध्य से सड़क होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति रहने के साथ ही अन्य दिक्कतों का सामना सभी को करना पड़ता है।

इसी मार्ग से चीन सीमा क्षेत्र तक सेना, अर्धसैन्य बल सहित उस क्षेत्र के वाहनों का आगमन और बड़े वाहन चलते हैं। साथ ही आदि कैलाश यात्रा के संचालन के साथ ही

पर्यटकों की आवाजाही भी लगातार बढ़ने से चंपावत में जाम की समस्या बढ़ रही है। इसके लिए बाईपास का निर्माण होना जरूरी है।

बैठक में राजमार्ग मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य अभियंता डीके शर्मा ने बाईपास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंपावत का बाईपास 320 करोड़ की लागत से बनेगा जो 9.847 किमी लंबा होगा। इस दौरान एसपी अजय गणपति, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधीक्षण अभियंता अरुण कुमार पांडेय, अधिशासी अभियंता आशुतोष सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रस्तावित बाईपास के समर्थन में आए जनप्रतिनिधि और ग्रामीण

चंपावत। जिला मुख्यालय में प्रस्तावित बाईपास के समर्थन को लेकर कई गांवों के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण आगे आए हैं। जिन सदस्य प्रतिनिधि मनमोहन बोहरा के नेतृत्व में इंदुवर जोशी, मनोज शर्मा, मनोज जोशी, पीयूष जोशी, गिरीश राम, प्रवीण कुमार, सुनील कुमार, महेंद्र राम, किशोर कुमार आदि प्रस्तावित बाईपास के निरीक्षण के लिए आए ओवरसाइट कमेटी के सदस्यों से मिलने पहुंचे लेकिन विरोध होने के कारण उन्होंने डीएम के समक्ष बाईपास के समर्थन में अपना पक्ष रखा। ग्रामीणों का कहना था कि प्रस्तावित बाईपास कई गांवों को जोड़ने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रात में वाहन न रोकें और न ही जारी करें कोई चालान', गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस को निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम जिले में रात के समय ट्रैफिक के सुचारु रूप से चलने को सुनिश्चित करने के लिए, गुरुग्राम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक ने कथित तौर पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे रात में किसी भी वाहन को न रोकें और न ही कोई चालान जारी करें।

गुरुग्राम। जिले में रात के समय ट्रैफिक के सुचारु रूप से चलने को सुनिश्चित करने के लिए, गुरुग्राम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक ने कथित तौर पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे रात में किसी भी वाहन को न रोकें और न ही कोई चालान जारी करें। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, डीसीपी ट्रैफिक द्वारा जारी पत्र में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को रात में किसी भी वाहन को रोकने से सख्ती से मना किया गया है। यह कदम जाहिरा तौर पर गुरुग्राम भर में ट्रैफिक

पुलिस कर्मियों द्वारा वाहनों की बड़े पैमाने पर की जा रही बेतरतीब चेकिंग के बारे में यात्रियों से मिली शिकायतों के बाद उठाया गया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रैफिक अधिकारियों से अब क्या उम्मीद की जाती है कि वे ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की जांच करें और संभवतः उन्हें रोकें, जिनमें तेज रफ्तार और सिग्नल जॉपिंग से लेकर शराब पीकर गाड़ी चलाना भी शामिल है।

एएनआई के अनुसार, 28 मई को डीसीपी ट्रैफिक के वॉरड्रविंग द्वारा लिखा गई चिट्ठी में साफ तौर पर नए निर्देशों का जिक्र किया गया है। चिट्ठी में लिखा है, "ट्रैफिक निरीक्षकों को उनके अधीन नियुक्त सभी कर्मचारियों को यह निर्देश देने का आदेश दिया जाता है कि रात में किसी भी वाहन को रोकना न जाए और कोई चालान जारी न किया जाए।" चिट्ठी में आगे कहा गया है, "यदि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार चालक को चालान जारी करना बहुत जरूरी हो, तो उस स्थिति में उस वाहन का चालान संबंधित राजपत्रित



अधिकारी/अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करने और अनुमति हासिल करने के बाद ही नियमों के बाहर जाने के लिए तैयार होना चाहिए। चिट्ठी में इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि यदि कोई ट्रैफिक पुलिस कर्मियों निर्देशों का पालन करने में नाकाम रहता है, तो उसे कार्रवाई का सामना करना होगा। पत्र में लिखा है, "र आदेशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। लापरवाही और हिलाई के मामले में, संबंधित ट्रैफिक पुलिस अधिकारी के खिलाफ तत्काल प्रभाव से नियमों के अनुसार सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।"

पत्र में इन नए निर्देशों को लागू करने की जरूरत को भी बताया गया है। कहा गया है, "यह अधोहस्ताक्षरकर्ता के ध्यान में आया है कि रात में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी आम लोगों के वाहनों को अनावश्यक रूप से रोक रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। और अनावश्यक रूप से वाहनों के लिए चालान भी जारी कर रहे हैं।" इसके बजाय, यहां ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के लिए निर्देश हैं कि वे ऐसी भूमिका निभाएं जिससे वाहनों का सुचारु प्रवाह बना रहे। चिट्ठी में कहा गया है, "रात में तैनात ट्रैफिक कर्मियों को आम लोगों और ड्राइवरों को मार्गदर्शन और मदद करके और उन्हें उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए सुरक्षित मार्गों की व्यवस्था करके। और सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्तियों को तुरंत नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराना चाहिए। और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को तुरंत मुख्य सड़क से हटा दिया जाना चाहिए और यातायात को सुचारु रूप से चलने दिया जाना चाहिए।"

दुनिया की पहली रेगिस्तानी लूप लाइन कहा, जाने ?



परिवहन विशेष न्यूज

चीन ने रेगिस्तान में एक ऐसी रेलवे लाइन का निर्माण किया है जो दुनिया को हैरत में डाल देने वाली है। रेगिस्तान में बनी चीन की यह लाइन हॉटन से रुओकियांग के बीच 825 किमी लंबी है। दुनिया की यह पहली रेगिस्तानी लूप लाइन भी है, जिसे दो साल पहले साल 2022 में शुरू किया गया। ये रेगिस्तानी लाइन नई लाइन गोलमुड-कोरला और दक्षिणी झिंजियांग रेल लाइनों को जोड़ती है। यह दुनिया के सबसे बड़े शिफ्टिंग रेत रेगिस्तान तक्लामाकन में बनी है। चीन की इस रेगिस्तानी लाइन पर ट्रेन में यात्रा के

दौरान दोनों तरफ रेत के विशाल टीले नजर आते हैं, जो हवा के साथ इधर-उधर शिफ्ट होते रहते हैं। ये टीले निया खंडहर, प्राचीन शहर एंडल और दूसरे सांस्कृतिक स्थल मार्ग के किनारे नजर आते हैं। इस रेलवे लाइन पर अभी 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ रही हैं। यात्री शिन्जियांग के हॉटन शहर से रुओकियांग जिले तक का सफर तय कर रहे हैं। यह सिंगल पटरी वाली रेलवे लाइन है। यह रेल लाइन ऐसे कई शहरों को जोड़ती है, जहां पर परिवहन बहुत मुश्किल था। निर्जन क्षेत्र में तीन साल में केवल दो-तीन यात्री ट्रेनें चलायीं जा रही हैं।

कानिर्माण करना इतना आसान नहीं था। कामगारों ने रेत के टीलों, रेतीले तूफान, अत्यधिक गर्मी और जमा देने वाले तापमान का सामना करते हुए 460 किलोमीटर निर्जन क्षेत्र में काम किया। इन इलाकों में आज भी पानी, बिजली और सेलफोन नेटवर्क नहीं है। मजदूरों ने तीन साल लगातार मेहनत करके इस चीनी इन्जीनियरिंग को जमीन पर उतारा है। यह रेल लाइन इन्जीनियरिंग का शानदार नमूना तो है ही लेकिन उससे ज्यादा यह उपयोगी है। यह रेल लाइन चीन के लिए पिछले दो सालों में काफी फायदेमंद साबित हुई है। आठ मालगाड़ियों से ढोया जा रहा सामान चीन के

इस क्षेत्र में रेगिस्तान होने की वजह से परिवहन करना बहुत कठिन था। स्थानीय लोगों को शिन्जियांग से बाहर जाने के लिए तैयार होना पड़ता था। इस क्षेत्र में कपास और खजूर भारी मात्रा में पैदा होता है, जो खराब परिवहन की वजह से बाहर नहीं जा पाता था। इस रेल लाइन के निर्माण के बाद हर दिन आठ मालगाड़ियां शिन्जियांग से कपास, अखरोट, लाल खजूर और खनिजों को लेकर चीन के बड़े शहरों तक पहुंचती हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि इस रेल नेटवर्क ने रेगिस्तान में जीवन ला दिया है।

टैपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम - डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए - 4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063

कॉर्पोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

इन्साइड

महिलाओं को ये रूल अपनाकर अपने को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए

आप चाहे कितना भी तनाव झेल रही हों फिर भी आपका व्यवहार बिल्कुल सामान्य हो, यह दिखाता है कि आप मानसिक और भावनात्मक रूप से कितनी मजबूत हैं। यहां हम बता रहे हैं कि महिलाएं खुद को किस तरह मेंटली स्ट्रॉन्ग बना सकती हैं और हर हालात का डटकर मुकाबला कर सकती हैं।

इंसान के जीवन में उतार-चढ़ाव लगा रहता है। खासतौर पर महिलाओं के जीवन में घटनाओं व हालात की कमी नहीं होती। पढ़ाई लिखाई, करियर, शादी, बच्चे से लेकर घर-परिवार आदि को सही तरह से संभालते-संभालते वह कई बार सिचुएशन के आगे खुद को हाथ हुआ महसूस करती हैं और टूट जाती हैं। लेकिन, कुछ महिलाएं हालात का डटकर सामना करती हैं और अपना एक मुकाम बनाती हैं। ऐसी महिलाएं मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग कही जाती हैं। यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकती हैं और जीवन की हर चुनौतियों का डटकर सामना कर सकती हैं।

महिलाएं इस तरह बनें मेंटली स्ट्रॉन्ग

अपने लाइफ अपने हाथ
साइकोलॉजी टूटे के मुताबिक, अगर आप ये सोच रही हैं कि आपकी बात कोई और बोले, तो इस उम्मीद में ना बैठें रहें। आप अपने जीवन का गोल तय करें और उसे हासिल करने का तरीका ढूंढें। अपनी परेशानियों को खुद हँडल करने का प्रयास करें।

लोगों से खुद की तुलना ना करें
हर इंसान के हालात अलग होते हैं, इसलिए खुद की तुलना दूसरों से ना करें। खुद के जीवन से खुद की तुलना करें।

मसलन, आप जो कल थीं और आज हैं, उसमें आपने क्या सीखा।
ओवरथिंकिंग से बचें
महिलाएं ओवर थिंकिंग से खुद को बचाएं। अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं, दिन रात उसी के बारे में सोच रही हैं, तो बेहतर है कि अब किसी और चीज पर ध्यान लगाएं। कई बार महिलाएं बेवजह ही खुद को कमजोर सोचने लगती हैं।
अपनी कमजोरी को पहचानें
सबसे पहले अपने अंदर की कमजोरी को पहचानें और उसे ठीक करने का रास्ता निकालें। आत्ममंथन करें। पाएंगी कि खुद की कमजोरी को पहचानते ही आप इसका उपाय भी खुद ही निकाल लीं।

कुछ अलग करें
स्टीरियोटाइप सोच से कुछ अलग सोचें और यह स्वीकारें कि महिला होने के नाते आप कई चीजों में बेहतर कर सकती हैं। आप खुद के बारे में जहां तक हो सके, खोज करें। ऐसा करने से आपको खुद के लिए कुछ ऑपॉर्चुनिटी मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
इन बातों का भी रखें ध्यान
-जल्द से जल्द हाई एक्सपेक्टेडेशन खुद से नहीं रखना चाहिए।
-मदद लेने को कमजोरी ना समझें।
-खुद पर डाउट ना करें और थोड़ा थोड़ा।
-चैलेंज लेने से घबराएं या डरें नहीं।
-रूल्स तोड़ने से डरें नहीं।
-खुद को आगे करने के लिए लोगों को पीछे ना खींचें।
-दूसरों को ब्लेम ना करें।

छोटी-छोटी आदतों से सहेलियों के जीवन को बनाएं आसान

आमतौर पर सोसायटी में यह धारणा बनी हुई है कि महिलाएं आसानी से दूसरी महिलाओं की सफलता पर ईर्ष्या करने लगती हैं, लेकिन अगर आप इस सामाजिक सोच को तोड़ना चाहती हैं और बेहतर जीना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप अपने आसपास की महिलाओं की मदद करें और उनकी सफलताओं पर भी खुश हों, जश्न मनाएं। यहां हम आपको बताते हैं कि आप अपनी सहेलियों के जीवन को बेहतर और आसान बनाने में किस तरह से उनकी मदद कर सकती हैं और उनका सर्पोर्ट कर सकती हैं। यह सच है कि जब आपके करीबी को कोई महिला किसी काम में सफलता हासिल करती है और आपके साथ अपनी सफलता को शेयर करना चाहती है तो यह आपकी दोस्ती को कमजोर नहीं, मजबूत बनाने का जरिया हो सकता है। जी हां, इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी सहेलियों से जलने की बजाय, उनकी सफलता को जलने मानें और उसे अच्छा महसूस कराएं। आपका ये तरीका, उसे मानसिक रूप से बहुत ही मजबूती देगा और आपके बीच की बॉन्डिंग भी बढ़ेगी। आज के भागदौड़ भरी दुनिया में महिलाओं के लिए घर परिवार में कोई ऐसा इंसान नहीं होता, जिसके साथ वह अपनी बातों को खुलकर शेयर कर सके और परेशानियों को बता पाए।

5 आदतें जो बनाते हैं आपको इमोशनली स्ट्रॉन्ग, महिलाएं हर हालात का डटकर कर सकेंगी मुकाबला

इमोशनली ब्रेक डाउन होना कमजोरी नहीं, लेकिन दोबारा उठकर हालात को कंट्रोल करना मानसिक रूप से मजबूत होने की निशानी है। आप चाहे कितना भी तनाव झेल रही हों फिर भी आपका व्यवहार बिल्कुल सामान्य हो, यह दिखाता है कि आप मानसिक और भावनात्मक रूप से कितनी मजबूत हैं। यहां हम बता रहे हैं कि महिलाएं खुद को किस तरह मेंटली स्ट्रॉन्ग बना सकती हैं और हर हालात का डटकर मुकाबला कर सकती हैं।

इंसान के जीवन में उतार-चढ़ाव लगा रहता है। खासतौर पर महिलाओं के जीवन में घटनाओं व हालात की कमी नहीं होती। पढ़ाई लिखाई, करियर, शादी, बच्चे से लेकर घर-परिवार आदि को सही तरह से संभालते-संभालते वह कई बार सिचुएशन के आगे खुद को हाथ हुआ महसूस करती हैं और टूट जाती हैं। लेकिन, कुछ महिलाएं हालात का डटकर सामना करती हैं और अपना एक मुकाम बनाती हैं। ऐसी महिलाएं मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग कही जाती हैं। यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकती हैं और जीवन की हर चुनौतियों का डटकर सामना कर सकती हैं।

महिलाएं इस तरह बनें मेंटली स्ट्रॉन्ग

अपने लाइफ अपने हाथ
साइकोलॉजी टूटे के मुताबिक, अगर आप ये सोच रही हैं कि आपकी बात कोई और बोले, तो इस उम्मीद में ना बैठें रहें। आप अपने जीवन का गोल तय करें और उसे हासिल करने का तरीका ढूंढें। अपनी परेशानियों को खुद हँडल करने का प्रयास करें।
लोगों से खुद की तुलना ना करें
हर इंसान के हालात अलग होते हैं, इसलिए



खुद की तुलना दूसरों से ना करें। खुद के जीवन से खुद की तुलना करें। मसलन, आप जो कल थीं और आज हैं, उसमें आपने क्या सीखा।
ओवरथिंकिंग से बचें
महिलाएं ओवर थिंकिंग से खुद को बचाएं। अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं, दिन रात उसी के बारे में सोच रही हैं, तो बेहतर है कि अब किसी और चीज पर ध्यान लगाएं। कई बार महिलाएं बेवजह ही खुद को कमजोर सोचने लगती हैं।

अपनी कमजोरी को पहचानें
सबसे पहले अपने अंदर की कमजोरी को पहचानें और उसे ठीक करने का रास्ता निकालें। आत्ममंथन करें। पाएंगी कि खुद की कमजोरी को पहचानते ही आप इसका उपाय भी खुद ही निकाल लीं।
कुछ अलग करें
स्टीरियोटाइप सोच से कुछ अलग सोचें और यह स्वीकारें कि महिला होने के नाते आप कई चीजों में बेहतर कर सकती हैं। आप खुद के बारे में जहां तक हो सके, खोज करें। ऐसा करने से आपको खुद के

लिए कुछ ऑपॉर्चुनिटी मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
इन बातों का भी रखें ध्यान
-जल्द से जल्द हाई एक्सपेक्टेडेशन खुद से नहीं रखना चाहिए।
-मदद लेने को कमजोरी ना समझें।
-खुद पर डाउट ना करें और थोड़ा थोड़ा।
-चैलेंज लेने से घबराएं या डरें नहीं।
-रूल्स तोड़ने से डरें नहीं।
-खुद को आगे करने के लिए लोगों को पीछे ना खींचें।
-दूसरों को ब्लेम ना करें।

महिलाओं में 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं अलर्ट खराब मेंटल हेल्थ के होते हैं संकेत, सही वक़्त पर करें सेल्फ

अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं। अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं। डिप्रेशन और एंगजायटी पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती है। ये दिमागी बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। हकीकत यह है कि महिलाएं महीनों, सालों और कई बार तो जीवनभर इस परेशानी से जूझती हैं, जो बाद में और भी परेशानी की वजह बन जाते हैं। आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ के खराब होने के शुरुआती लक्षण क्या हैं।

अक्सर यह देखने को मिलता है कि महिलाएं अपने मेंटल हेल्थ को लेकर सीरियस नहीं होतीं और सालों साल डिप्रेशन और एंगजायटी की समस्या से जूझती रहती हैं। इलाज के अभाव में समस्या और भी बढ़ जाती है और हालात कंट्रोल से बाहर हो जाते हैं। आज के बिजी लाइफ स्टाइल में महिलाएं घर और दफ्तर दोनों को समझालती हैं और मेंटल हेल्थ से जुड़ी काफी मामलों को नजरअंदाज कर देती हैं। लेकिन अन्य बीमारियों की तरह यह समस्या भी रुकती नहीं और धीरे धीरे जीवन को कई तरह से प्रभावित करती चली जाती है। आइए जानते हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ की समस्या के शुरुआती लक्षण क्या हैं।

जीवन में कठिनाइयां बढ़ना - क्लीयरिटी ट्रीटमेंट प्रोग्राम के मुताबिक कभी-कभी मानसिक बीमारी के पहले लक्षण के रूप में देखा जाता है कि महिलाओं का परफॉर्मेंस एकाएक खराब होने लगता है। मसलन, खराब ग्रैड आना, काम अच्छा ना होना, अच्छे तरह से जिम्मेदारियों को ना निभा पाना, स्ट्रेस मैनेज नहीं कर पाना, पर्सनल रिलेशन में समस्या आदि। ऐसे लक्षण महिलाओं में मेंटल हेल्थ के विगडने के लक्षण हो सकते हैं।
मूड और भावनाओं में बदलाव - अगर अचानक से महिला के मूड में परिवर्तन हो या मूड में उतार-चढ़ाव आए तो ये भी मानसिक बीमारियों का एक और प्रारंभिक संकेत हो सकता है। मसलन, उदास रहना, उत्साह की कमी, एनर्जी और भावनाओं की कमी या उदासीनता की भावना आदि। यही नहीं, ऐसी अवस्था में अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का अनुभव भी कर सकता है।
संज्ञानात्मकता की कमी - संज्ञानात्मकता की कमी यानी कि चीजों को याद रखना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई या भ्रम होना आदि लक्षण मानसिक बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे हालात में इंसान इंसानों को भूल सकता है और वह कहीं खोया खोया रहता है।



खतरनाक व्यवहार - मानसिक बीमारी अगर अपने शुरुआती दौर में है तो कभी-कभी ऐसी महिलाएं जोखिम भरे व्यवहार करने लगती हैं। मसलन, अत्यधिक मात्रा में पैसा खर्च करना, जोखिम भरा यौन व्यवहार करना या ड्रग्स और शराब के साथ प्रयोग करना। इस परेशानी से पीछा छुड़ाने के लिए कई बार लोग ड्रग्स या शराब की लत तक के शिकार हो जाते हैं।
हकीकत से दूर होना - कई बार महिलाएं तनाव झेलते झेलते मतिभ्रम महसूस करने लगती हैं जिसमें उन्हें लगता है कि कुछ हो रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी

नहीं हो रहा। ऐसा लक्षण होने पर तुरंत आप साइक्रेटिस्ट से संपर्क करें और विशेषज्ञों से मदद लें।
लक्षण दिखने कर क्या करें ?
-अगर आप कुछ ऐसा अनुभव कर ही हैं तो विशेषज्ञ की सलाह लें।
-योग और ध्यान का सहला लें और वॉकिंग या जॉयिंग करें।
-लोगों से मिलें और क्लब आदि ज्वान करें।
-बिहेवियर थैरेपी की मदद लें।

40 की उम्र में चाहिए 25 वाला ग्लो और एनर्जी, 5 चीजों को डाइट में करें शामिल, नहीं हटेगी किसी की नजर



आजकल की लाइफ स्टाइल में उम्र से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं, जिनसे निजात पाने के लिए महिलाएं तरह-तरह के जतन करती हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो कुछ चीजों को डाइट में शामिल करके 40 की उम्र में भी 25 जैसा निखार और एनर्जी बनाए रख सकती हैं।

उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा का निखार ही नहीं बल्कि एनर्जी भी कम होने लगती है। स्किन की चमक और एनर्जी को बढ़ाने के लिए ज्यादातर महिलाएं तरह-तरह के जतन करती हैं। इसके बावजूद पॉजिटिव रिजल्ट्स नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में आपको जरूरत है उन चीजों को डाइट में शामिल करने की, जो आपको 40 की उम्र में भी 25 के जैसी ग्लो एंड स्मार्ट दिखाने में मदद कर सकती हैं। बता दें कि बाँटी की एनर्जी और स्किन का ग्लो मेंटेन रखने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ जरूरी चीजों को शामिल कर सकती हैं। ये आपकी स्किन का निखार बढ़ाने के साथ ही एनर्जी और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में आपकी मदद करेंगी। आइए हेल्थलाइन डॉट कॉम के अनुसार, आपको बताते हैं महिलाओं की स्किन और बाँटी को बढ़ाने वाली चीजों के बारे में।

सैल्मन मछली
सैल्मन मछली ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, सेलेनियम जैसे तत्वों से भरपूर होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स नामक एक कैरोटेनॉइड एंटी-ऑक्सीडेंट होता है। जो सेहत को दुरुस्त रखने में तो अच्छा रोल निभाता ही है। साथ ही ये स्किन को सन डैमेज से बचाने और त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाली सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।
गाजर

गाजर को अपनी डाइट में शामिल करके आप बढ़ती उम्र में भी चेहरे का निखार और बाँटी की एनर्जी को मेंटेन रख सकती हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है और इसमें बीटा कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे कैरोटेनॉइड भी होते हैं। जो त्वचा को सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

टमाटर
टमाटर का सेवन भी महिलाओं को जरूर करना चाहिए। टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है। जो सूरज की यूवी किरणों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करता है। इतना ही नहीं एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर टमाटर किसी भी तरह की बीमारी के जोखिम को कम करने में भी सहायता करते हैं।

एवोकाडो
एवोकाडो मोनोउनसैटेड फैट और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। बढ़ती उम्र पर विराम लगाने के लिए आप एवोकाडो को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। ये आपको सेहतमंद रखने में तो मदद करते ही हैं। साथ ही त्वचा पर बढ़ापे के कारण होने वाले नुकसान को रोकने में भी हेल्प करते हैं।

कोलेजन पेप्टाइड्स
कोलेजन शरीर का सबसे अधिक मौजूदा प्रोटीन है जो खासकर स्किन और जॉइंट्स में बड़ी मात्रा में पाया जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है शरीर का कोलेजन टूटना शुरू हो जाता है। जिसके चलते झुर्रियां और ढीली त्वचा जैसी दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में आप टोफू, चिकन और अंडे जैसी हाई प्रोटीन चीजें अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने 30 की उम्र में अपने एग कराए थे फ्रीज़, आखिर व यों प्रचलित हो रहा यह तरीका

बॉलीवुड में एग फ्रीजिंग तकनीक काफी फेमस हो रही है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने भी इस तकनीक की मदद से बच्ची को जन्म दिया है। आखिर ये तकनीक व यों फेमस हो रही है और फेमिली प्लानिंग में ये किस तरह लोगों की मदद कर रही है, इस बारे में सभी को कुछ बातें जान लेनी चाहिए।

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में जाने माने अमेरिकन एक्टर फिल्ममेकर डैक्स शेफर्ड के पॉइंडर आर्मेचर एक्सपर्ट के शो में अपनी पर्सनल लाइफ के कुछ जरूरी फैसलों पर चर्चा करते हुए कई बातों को खुलासा किया। इस मौके पर उन्होंने खुलकर इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने अपनी मां की सलाह पर अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। उन्होंने बताया कि अपने 30 वें साल में लिए गए इस निर्णय की वजह से उन्हें जीवन में कई आजादी भी मिली। प्रियंका अभी 40 साल की हैं और सिंगर एक्टर निक जोनस के साथ एक खुशहाल मैरिड लाइफ जी रही हैं। हाल ही में एग फ्रीजिंग तकनीक से उन्हें बेटी भी हुई है, जिसका नाम मालती मेरी चोपड़ा जोनस है।

आखिर क्या है एग फ्रीजिंग ?

मेंडिकल न्यूज टूटे के मुताबिक, एग फ्रीजिंग एक मेंडिकल प्रक्रिया है जिसमें एक महिला के पास यह विकल्प होता है कि वह बच्चे पैदा करने की उम्र निकल जाने के बाद भी सोरोरोशी से अपने बच्चे को जन्म दे सकती है। दरअसल, जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं में अंडे की क्वालिटी घटती जाती है। ऐसे में महिला बच्चे को जन्म तो देना चाहती है लेकिन सिचुएशन की वजह से फिलहाल प्रेनेट नहीं हो सकती, तो ऐसी महिलाओं के लिए एग फ्रीजिंग तकनीक काफी सुविधाजनक और सेफ विकल्प हो सकता है।

एग फ्रीजिंग का क्या बढ़ रहा ट्रेंड ?

करियर और एजुकेशन प्लान में सुविधा - जो महिलाएं एडवांस या हाइपर एजुकेशन में डिग्री हासिल करना चाहती हैं या करियर की वजह से उन्हें प्रेगनेंसी के लिए मौका नहीं मिल पा रहा, ऐसी महिलाएं युवा अवस्था में अपने भविष्य के प्लान के लिए अंडे फ्रीज करवा सकती हैं। ऐसा करने से महिलाओं के पास एक आजादी होती है कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें, अच्छा करियर बना सकें और उम्र होने पर अपना परिवार भी बढ़ा सकें।

व्यक्तिगत परिस्थितियां - जो महिलाएं बच्चे तो पैदा करना चाहती हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई परफेक्ट साथी नहीं मिला है तो वे भविष्य में उपयोग के लिए अपने अंडे को फ्रीज करवा सकती हैं। समलैंगिक संबंधों में रहने वाली महिलाएं भी बाद में बच्चा पैदा करने की इच्छा होने पर ऐसा कर सकती हैं।

कैंसर पीड़ित महिलाओं के लिए विकल्प - अगर महिला कैंसर पीड़ित है तो कीमोथेरेपी और अन्य कैंसर उपचार में आमतौर पर प्रजनन क्षमता कम हो जाती है और कई बार तो प्रजनन क्षमता खत्म भी हो जाती है। ऐसे में महिला पहले ही अपने एग को फ्रीज करवा सकती हैं और इलाज के बाद फेमिली प्लानिंग कर सकती हैं।

2 जून को केजरीवाल सरेंडर करेंगे या नहीं? दिल्ली के सीएम ने खुद दी जानकारी

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संभव है ये लोग इस बार मुझे पहले से ज्यादा प्रताड़ित करें लेकिन मैं इनके आगे झुकूंगा नहीं। इन्होंने मुझे तोड़ने-झुकाने की खूब कोशिश की पर सफल नहीं हुए। मुझे गर्व है कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूँ। आपने हर मुश्किल वक़्त में एक परिवार की तरह मेरा साथ दिया है।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की अर्वाधि खत्म होने से पहले शुक्रवार को उन्होंने दिल्लीवासियों को भावुक संदेश दिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 21 दिन की मोहलत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद किया और दिल्लीवासियों से कहा कि एक जून को मुझे मिली मोहलत समाप्त हो रही है, दो जून को दोपहर तीन बजे सरेंडर करने के लिए मैं घर से निकलूंगा।

उन्होंने कहा कि आप चिंता मत करना। मैं चाहे जहां रहूँ, लेकिन आपको 24 घंटे व फ्री बिजली, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा समेत सारे काम चलते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि संभव है, ये लोग इस बार मुझे पहले से ज्यादा प्रताड़ित करें, लेकिन मैं इनके आगे झुकूंगा नहीं। इन्होंने मुझे तोड़ने-झुकाने की खूब कोशिश की, पर सफल नहीं हुए। मुझे गर्व है कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूँ। आपने हर



मुश्किल वक़्त में एक परिवार की तरह मेरा साथ दिया है। देश बचाने के लिए मुझे कुछ हो भी जाए तो गम मत करना।

तानाशाही से बचाने के लिए जा रहा हूँ

जेल: केजरीवाल
आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने शुक्रवार को डिजिटल प्रेस वार्ता कर कहा, रमूजे नहीं पता ये लोग इस बार मुझे कब तक जेल में रखने वाले हैं, लेकिन मेरे हौसले बुलंद हैं। मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूँ।

उन्होंने कहा कि जेल में मैं 50 दिन था। इन दिनों में मेरा छह किलो वजन कम हो गया। जब मैं जेल गया, तब मेरा वजन 70

किलो था और आज 64 किलो हो गया है। जेल से छूटने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ रहा है। डाक्टर कह रहे हैं कि ये शरीर में किसी बड़ी बीमारी का भी संकेत हो सकता है। कई टेस्ट करवाने की जरूरत है। मेरे यूरिन में भी कीटोन लेवल बहुत ज्यादा हो गया है।

आप अपना ख्याल रखना:

केजरीवाल
केजरीवाल ने दिल्लीवासियों से कहा कि आप अपना ख्याल रखना। मुझे जेल में आपकी बहुत चिंता रहती है। आप खुश रहेंगे तो आपका केजरीवाल भी खुश रहेगा। मैं बेशक आपके बीच नहीं रहूंगा, लेकिन आप चिंता मत करना आपके सारे काम चलते

रहेगें। मैं चाहे जहां रहूँ, जेल के अंदर रहूँ या बाहर रहूँ। मैं दिल्ली के काम नहीं रुकने दूंगा। मैं लौट कर हर मां-बहन को हर महीने 1000 रूपए देने की भी शुरुआत करूंगा। मैंने हमेशा आपके परिवार का बेटा बनकर अपना फर्ज निभाया है।

केजरीवाल ने यह भी कहा, रमरे माता-पिता बहुत बुजुर्ग हैं। मेरी मां बहुत बीमार रहती हैं। मुझे जेल में उनकी बहुत चिंता रहती है। मेरे पीछे से मेरे माता-पिता का ख्याल रखना। उनके लिए भगवान से प्रार्थना करना। दुआओं में बड़ी ताकत होती है। आप मेरी मां के लिए रोज प्रार्थना करेंगे तो वो जरूर स्वस्थ रहेंगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध बैग मिला, बम होने की अफवाह से मची अफरा-तफरी; पुलिस जांच में मिला ये सामान

दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्हें शाम करीब साढ़े छह बजे रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर एक लावारिस बैग के बारे में सूचना मिली। मौके पर इससे अफरा-तफरी का माहौल था। उन्होंने बताया कि कूड़ेदान में मिले संदिग्ध बैग की पुलिस और बम निरोधक दस्ते दोनों ने जांच की। उन्होंने बताया कि कोई विस्फोटक नहीं पाया गया और कोई खतरा नहीं है।

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को उस समय दहशत फैल गयी, जब कूड़ेदान में एक 'संदिग्ध' बैग देखे जाने से बम की अफवाह फैल गयी। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। संदिग्ध बैग में बम की सूचना पर मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। बम निरोधक दस्ते द्वारा बैग की जांच में कोई विस्फोटक नहीं मिला। जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली और स्टेशन पर भी माहौल सामान्य हुआ। रेलवे पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कूड़ेदान में एक संदिग्ध बैग देखे जाने पर उसमें बम होने की अफवाह फैल गई। मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुलाकर बैग की जांच कराई गई। टीएम ने बैग से दो विस्फोटक सिमुलेशन गैटें बरामद कीं, जिनका उपयोग रक्षा प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए किया जाता है और ये गैर-घातक हैं और इनमें कोई महत्वपूर्ण विस्फोटक सामग्री नहीं है। पुलिस ने बताया कि उन्हें शाम करीब साढ़े छह बजे रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर एक लावारिस बैग के बारे में सूचना मिली। उन्होंने बताया कि कूड़ेदान में मिले संदिग्ध बैग की पुलिस और बम निरोधक दस्ते दोनों ने जांच की। उन्होंने बताया कि कोई विस्फोटक नहीं पाया गया और कोई खतरा नहीं है।

दिल्ली एम्स में अत्याधुनिक तकनीक से जल्दी हो सकेगा स्ट्रोक मरीज का इलाज, किसी अन्य सरकारी अस्पताल में नहीं है सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली एम्स का दावा है कि किसी अन्य सरकारी अस्पताल में यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं है। जैसे एम्स में इस्कीमिक स्ट्रोक के मरीजों का मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी तकनीक से पहले से इलाज होता रहा है। इस बीमारी में दिमाग की धमनी में ब्लाकेज होने के कारण शरीर का कोई हिस्सा काम करना बंद कर देता है। इसका इस्तेमाल कर स्ट्रोक के अधिक मरीजों का इलाज किया जा सकेगा।

नई दिल्ली। एम्स के न्यूरो सेंटर में स्ट्रोक मरीजों के इलाज के लिए अत्याधुनिक बाइप्लेन प्लैट पैनल डिजिटल सबस्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी मशीन लगाई है। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने शुक्रवार को इसका शुभारंभ किया। इस तकनीक की मदद से एक्यूट स्ट्रोक के मरीजों के मस्तिष्क में खून के थक्के का पता लगाकर उसका इलाज तेजी से जल्दी हो सकेगा। एम्स को उम्मीद है कि इस तकनीक का इस्तेमाल कर स्ट्रोक के अधिक मरीजों का इलाज किया जा सकेगा।

एम्स का दावा है कि किसी अन्य सरकारी अस्पताल में यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं है। जैसे एम्स में इस्कीमिक स्ट्रोक के मरीजों



का मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी तकनीक से पहले से इलाज होता रहा है। इस बीमारी में दिमाग की धमनी में ब्लाकेज होने के कारण शरीर का कोई हिस्सा काम करना बंद कर देता है। मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी में मरीज की जांच की धमनी के रास्ते स्टेंट रिट्रिवर डालकर दिमाग की धमनी में जमे खून थक्के को निकाल दिया जाता है। सामान्य तौर पर स्ट्रोक होने के छह घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को यह प्रोसीजर किया जाता है।

टिवन स्पिन तकनीक से 3डी रोटेशन

एंजियोग्राफी हो सकेगी

इसी क्रम में एम्स के न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग ने बाइप्लेन प्लैट पैनल डिजिटल सबस्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी मशीन लगाई है, जिसमें टिवन स्पिन (2डी बाइप्लेन व 3डी बाइप्लेन) तकनीक इस्तेमाल की गई है। इसकी मदद से 3डी रोटेशन एंजियोग्राफी हो सकेगी। इससे मस्तिष्क की सूक्ष्म हिस्सों को बड़ा करके देखा जा सकता है। इस मशीन के साथ कोन बीम सीटी भी लगी है। इसकी मदद से एक्यूट स्ट्रोक के गंभीर व कम गंभीर मरीजों को छोट कर

जल्दी इलाज किया जा सकता है। इससे मस्तिष्क को अधिक क्षति होने से बचाया जा सकता है। यह तकनीक मरीज के लिए ज्यादा सुरक्षित

न्यूरो सेंटर के प्रमुख व न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेश गायकवाड़ ने कहा कि इस तकनीक से इलाज की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अधिक मरीजों का प्रोसीजर हो सकेगा। इसके अलावा मरीजों को रेडिएशन का डोज कम लगेगा। इसलिए यह तकनीक मरीज के लिए ज्यादा सुरक्षित है।

'फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण सड़क पर चलने को मजबूर आम आदमी', दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने कहा कि अतिक्रमण के मामले में अतिक्रमणकर्ता को उसके द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में एजेंसियों द्वारा जवाबदेह बनाया जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने इस आदेश की एक प्रति अनुपालन के लिए डीडीए अध्यक्ष और एमसीडी आयुक्त को भेजी जानी चाहिए। अदालत ने उक्त आदेश याचिकाकर्ता कमलेश जैन की याचिका पर दिया।

नई दिल्ली। सार्वजनिक स्थानों से लेकर फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि फुटपाथों व सड़कों पर होर्डिंग, स्टाल, टेबल और कुर्सियों से किया गया अतिक्रमण इतना व्यापक हो गया है कि जनता को सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अदालत ने इसके साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को अतिक्रमण करने वालों पर ज़ुर्माना लगाने के संबंध में नियम व दिशा-निर्देश तैयार करने को कहा है। न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने कहा कि अतिक्रमण के मामले में अतिक्रमणकर्ता को उसके द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में एजेंसियों द्वारा जवाबदेह बनाया जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने इस आदेश की एक प्रति अनुपालन के लिए डीडीए अध्यक्ष और एमसीडी आयुक्त को भेजी जानी चाहिए। अदालत ने उक्त आदेश याचिकाकर्ता ने दिल्ली पुलिस को बुक्स एंड बीन्स भोजनालय को तेज संगीत बजाने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भोजनालय सुबह से आधी रात तक तेज संगीत बजाता है और इससे लोगों को समस्या होती है।

हार्ट अटैक: मौत मामलों ने डराना शुरू कर दिया है

परिवहन विशेष न्यूज

एसडीसेठी। देश में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों ने वाकई अब डराना शुरू कर दिया है। 20 अगस्त, 2022 में स्टेट-अप कर्मिडियन राजू श्रीवास्तव की अचानक हार्ट अटैक आने से मौत हो गई थी। उसके तीन दिन पहले ही 17 अगस्त, को नागपुर पूर्ण की उड़ान भरने से पहले फ्लाइट पायलट का हार्ट अटैक आ गया। और उसकी मौत हो गई। अभी ताजा मामला गुरुवार 31 मई, 2024 का इंदौर में योग केंद्र में रमां तुझे सलामत देश भक्ति गीत पर परफॉर्म करते समय एक शख्स सरदार बलबीर सिंह छाबड़ा स्टेशन पर तिरंगा झंडा लिए परफॉर्म कर रहे थे। वह अचानक स्टेशन पर ही गिर पड़े लोग उनके परफॉर्म पर ताली बजाते रहे लेकिन उनकी मौत हो गई थी। इस घटना का विडियो भी सोशल मिडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसी तरह हरियाणा में भी स्टेशन पर रामलीला में हनुमान का रोल करने वाले शख्स को भी हार्ट अटैक आ गया। यहां भी लोग तालियां बजाते रहे। जब देर तक हनुमान पात्र नहीं उठा तो देखा उनकी मौत हो चुकी थी देर तक शख्स नहीं उठे तो लोग भागकर स्टेशन पर जा चढ़े। लेकिन हिलाने पर भी नहीं उठे तो उन्हें पास के अस्पताल में ले जाने पर डाक्टरों ने डेथ डिक्लेयर कर दिया। बताया जा रहा है कि सरदार बलबीर सिंह ने अंगदान फार्म भरा हुआ था।

इसी क्रम में फेज-3 की कर्नाटक चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल समेत दो सरकारी कर्मचारियों की हार्ट अटैक की वजह से मौत हो गई। इसमें एक कर्मचारी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत स्कूल हेड मास्टर थे दूसरे कर्मचारी कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इसी तरह फिल्म सिटी मुम्बई के अभिनेता युवा श्रेयांस घोरपडे की अचानक हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। (वह 35-40 के बीच की उम्र के थे। अभी हाल ही में इसी हफ्ते अंतिम बचन के डुप्लीकेट फिरोज खान का निधन हार्ट



हार्ट अटैक से हो रही मौतों पर शुरु हुई रिसर्च

- देश के अलग-अलग राज्यों के 70 प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शोध शुरू
- कुछ महीनों में शोध रिपोर्ट को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपा जाएगा

अटैक से हो गया। फिरोज खान ने कई फिल्मों में लडाई के सीन में अमिताभ बच्चन के डुप्लीकेट का काम किया था। अचानक से हार्ट अटैक आ जाने से मौत के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक अचानक हार्ट अटैक से मौत के मामलों में पिछले साल के मुकाबले में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। एनसीआरबी के जारी आंकड़े के मुताबिक 56,653 लोगों की हार्ट अटैक से अचानक डेथ हुई है। इनमें 57 फीसदी सड़न हार्ट अटैक से मौत बताई गई है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक हार्ट अटैक में शामिल लोगों में

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक अचानक हार्ट अटैक से मौत के मामलों में पिछले साल के मुकाबले में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। एनसीआरबी के जारी आंकड़े के मुताबिक 56,653 लोगों की हार्ट अटैक से अचानक डेथ हुई है। इनमें 57 फीसदी सड़न हार्ट अटैक से मौत बताई गई है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक हार्ट अटैक में शामिल लोगों में

56000 लोगों की अचानक हार्ट अटैक से मौत हुई। ये आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी ज्यादा है। इनमें 57 फीसदी लोगों की मौत हार्ट अटैक की वजह रही। राज्य पुलिस विभाग के डेटा पर आधारित है एक मेडिकल स्ट्रेडी ने साफ कर दिया कि अचानक से हार्ट अटैक में मौत और कोविड-19 वैक्सिनेशन से किसी भी तरह का संबंध होने से साफ इन्कार किया था। अब जब वजह साफ है कि इन मौत को कोविड-19 से अलग रखकर गलत शैली के खान-पान, लापरवाह पूर्ण जीवन शैली के अलावा नकली व मिलावटी, कैमिकल युक्त भोजन भी बहुत बड़ा कारण भी हो सकता है। इसका को इन सब पर भी जल्द से जल्द स्ट्रेडी करवानी चाहिए।

दिल्ली एयरपोर्ट से आखिरकार सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ा एयर इंडिया का विमान, जानें किस वजह से हुआ विलंब



गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को जाने वाली उड़ान में विलंब की शिकायत मिली थी। इसको लेकर डीजीसीए ने एअर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 183 तय समय से करीब 28 घंटे के बाद शुक्रवार को जब यात्रियों को औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया तो उन्हें लगा कि एक बार फिर गुरुवार की तरह बॉर्डिंग के बाद विमान से उन्हें फिर न नीचे उतरना पड़े। यात्रियों ने बताया कि विमान का एसी खराब था

यात्रियों को हुई तमाम तरह की परेशानियों के बीच उड़ान नियामक संस्था डीजीसीए ने इस मामले में एअर इंडिया को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। एयरलाइंस से विलंब औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यात्री विमान में सवार हुए, लेकिन पायलट ने यह कहते हुए उड़ान भरने से इनकार कर दिया कि अभी

तापमान सही नहीं है। जब तक तापमान 37 डिग्री तक नहीं आ जाता, टेकऑफ नहीं कराया जा सकता है। इसके बाद विमान एक बार फिर टर्मिनल की ओर लौट आया।

इससे पहले गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को जाने वाली उड़ान में विलंब की शिकायत मिली थी। इसको लेकर डीजीसीए ने एअर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल, एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 183 तय समय से करीब 28 घंटे के बाद शुक्रवार को जब यात्रियों को औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया तो उन्हें लगा कि एक बार फिर गुरुवार की तरह बॉर्डिंग के बाद विमान से उन्हें फिर न नीचे उतरना पड़े।

यात्रियों ने बताया कि विमान का एसी खराब था

यात्रियों को हुई तमाम तरह की परेशानियों के बीच उड़ान नियामक संस्था डीजीसीए ने इस मामले में एअर इंडिया को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। एयरलाइंस से विलंब औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यात्री विमान में सवार हुए, लेकिन पायलट ने यह कहते हुए उड़ान भरने से इनकार कर दिया कि अभी

ग्राउंड रिपोर्ट गाजीपुर: 40 वर्ष में पहली बार वोट मांगने घर-घर पहुंची मुख्तार अंसारी परिवार की महिलाएं, जमीन पर बैठ लोगों को समझा रहीं भाजपा से खतरे

गाजीपुर में लड़ाई माफिया मुख्तार अंसारी परिवार के ढहते रसूख और लोगों के उस विश्वास के बीच है जो कहते हैं कि अब और नहीं। मुख्तार के जीवित रहते जो लोग दबाव में जी हुजुरी करते थे और अब उसकी मौत के बाद उनका जिस तरह व्यवहार बदला है इसका अहसास भी परिवार को है। तभी तो ये महिलाएं वंचित वर्ग के परिवारों के बीच ही ज्यादा जा रही हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर संसदीय क्षेत्र के सदर विधानसभा क्षेत्र का संकरा गांव, जहां दलित बस्ती में कुछ बुजुर्ग, कुछ प्रौढ़ महिलाओं के बीच पीला सलवार सूट पहने, सिर पर पीला दुपट्टा डाले बैठे एक युवती उन्हें भाजपा सरकार की कमियां बताती और एकजुट होकर वोट करने की अपील करती दिखती हैं। यह युवती मौजूदा सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नूरिया अंसारी हैं।

मुख्तार के गृह जिले और सर्वाधिक प्रभाव वाली इस सीट पर 40 साल के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब उनके घर की महिलाएं परिवार के राजनीतिक वजूद या रसूख के लिए अपनी ड्यूटी से बाहर निकली हैं और घर-घर जाकर वोट मांग रही हैं।

गाजीपुर में लड़ाई माफिया मुख्तार अंसारी परिवार के ढहते रसूख और लोगों के उस विश्वास के बीच है, जो कहते हैं कि अब और नहीं। मुख्तार के जीवित रहते जो लोग दबाव में 'जी हुजुरी' करते थे और अब उसकी मौत के बाद उनका जिस तरह व्यवहार बदला है, इसका अहसास भी परिवार को है। तभी तो ये महिलाएं वंचित वर्ग के परिवारों के बीच ही ज्यादा जा रही हैं।

भूमिहार, ठाकुर और ब्राह्मण परिवारों के बीच उनकी उपस्थिति नाग्य है। पिता के लिए प्रचार करने पहुंचीं नूरिया वहां मौजूद महिलाओं को भाजपा की बुराई बताती हैं। नरेंद्र मोदी सरकार की गारंटी पर सवाल उठाती हैं। पूंजीवाद, सामंतवाद की बात करती हैं।

उनके बच्चों के भविष्य की दुहाई देते हुए बताती हैं कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव उनके लिए ही लड़ रहे हैं। वह आवास योजना पर सवाल उठाती हैं। कहती हैं कि मोदी सरकार में महंगाई बढ़ी है। उन्हें बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट डालना है। यहां से



सापने इस बार भी अफजाल अंसारी को ही टिकट दिया। वह 2019 में भी जीते थे। भाजपा ने चुनावी राजनीति में नए चेहरे स्कूल संचालक पारस नाथ राय को टिकट दिया है।

सिधौना में एक दुकान में बैठे काशीनाथ यादव यह तो मानते हैं कि मुख्तार की मौत के बाद परिवार का दबदबा कम हुआ है, लेकिन माफिया शब्द पर वह कहते हैं कि यह तो देखने का अपना-अपना नजरिया है। कुछ के लिए मुख्तार मददगार रहा है तो कुछ लोग उसे माफिया बनाने में तुलें रहते हैं।

वह कहते हैं कि यहां का मुस्लिम और यादव अफजाल के साथ जा सकता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभाओं

को लेकर टिप्पणी की कि वह कब से यादवों के नेता हो गए। सब जानते हैं कि उन्हें क्यों लाया गया है। पियरी और महमूदपुर में रामशंकर बिंद आरक्षण को लेकर चिंतित दिखे।

इस बार के चुनाव के मुद्दों पर बात चली तो बोले-डबल इंजन की सरकार है। लोगों को सुविधाएं मिली हैं, लेकिन पिछड़े वर्ग में आरक्षण का अब तक का सर्वाधिक लाभ तो केवल लड़-तीन जातियों को ही मिल पाता है। बाकी तीन सौ जातियों के लोग परेशान हैं।

सरकार को इस पर सोचना चाहिए। गाजीपुर में शिवनारायण कुशवाहा ने बताया कि अब रात में आना-जाना आसान हुआ है और लोग

सरकार के काम से खुश हैं।

गाजीपुर में हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले वेद प्रकाश आर्य कहते हैं कि भाजपा प्रत्याशी संगठन के तो व्यक्ति हैं, लेकिन मतदाताओं से ज्यादा परिचित नहीं हैं। भाजपा का इस बार ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन है। इस लोस क्षेत्र में राजभर की संख्या अच्छी खासी है, जिन पर ओमप्रकाश की मजबूत पकड़ है। पिछले विस चुनाव में इसका प्रदर्शन भी वही कर चुके हैं। भाजपा के वोट में इसे भी जोड़ दिया जाए तो लड़ाई रोचक दिख रही है। यही कारण है कि मुख्तार के बिना चुनाव लड़ रहे उनके भाई अफजाल के लिए रास्ता आसान नहीं है।

पारस राय सादात में लंबे समय तक विद्यालय के प्रबंधन और संचालन से जुड़े रहे तो निजी विद्यालयों के बड़े नेटवर्क का लाभ

उन्हें मिल सकता है। सादात क्षेत्र जो सैदपुर और औड़िहार से लगा हुआ है, जिसमें ठाकुर समुदाय की बहुलता है। इसमें स्थानीयता का लाभ भाजपा को मिल सकता है। भाजपा का इस बार ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन है।

इस लोस क्षेत्र में राजभर की संख्या अच्छी खासी है, जिन पर ओमप्रकाश की मजबूत पकड़ है। पिछले विस चुनाव में इसका प्रदर्शन भी वही कर चुके हैं। भाजपा के वोट में इसे भी जोड़ दिया जाए तो लड़ाई रोचक दिख रही है। यही कारण है कि मुख्तार के बिना चुनाव लड़ रहे उनके भाई अफजाल के लिए रास्ता आसान नहीं है।

फरार चल रहे AAP विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें, MLA समेत तीन के खिलाफ कुर्की की तैयारी; ये है मामला

दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ था। फरार चल रहे आप विधायक उनके पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ कुर्की की तैयारी चल रही है। कोर्ट ने कुर्की की कार्रवाई से पूर्व नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

नोएडा। नोएडा में पंप कार्मियों पर जानलेवा हमला, लूट

का प्रयास और एससी/एसटी समेत कई आरोपों में गिरफ्तारी से बच रहे दिल्ली के आप विधायक अमानतुल्लाह पर पुलिस ने शिकंशा कस दिया है।

फरार चल रहे विधायक, उनके पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ कुर्की की तैयारी चल रही है। कोर्ट ने कुर्की की कार्रवाई से पूर्व नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

वहीं जिला कोर्ट से अंतरिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अमानतुल्लाह ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

7 मई की सुबह क्या-क्या हुआ

दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ था।

आरोप है कि सेक्टर-95 स्थित शाहीद रामेंद्र प्रताप सिंह के फिलिंग स्टेशन पर 7 मई की सुबह विधायक का बेटा अनस अपनी कार लेकर पहुंचा। उसने लाइन में न लगाकर बल्लाक आगे वाली गाड़ी को आगे बढ़ाकर मेरे गाड़ी में पहले तेल भर

दे।

इस पर सेल्समैन ने कहा कि आप लाइन में हैं अभी आपकी गाड़ी में तेल भर जाएगा। इसी दौरान अनस और उसकी कार में बैठे अन्य लड़कों ने मारपीट की। इसके बाद अमानतुल्लाह खान खुद पहुंचे और मैनेजर को धमकाया।

इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया केमरों में कैद हो गए और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गए। इस मामले में पुलिस ने विधायक अमानतुल्लाह खान के मैनेजर इकरार अहमद को गिरफ्तार कर लिया था। इकरार मूलरूप से जिला हापुड के

सिंभावली का रहने वाला है। वह वर्तमान में शाहीन बाग में रहता है।

20 दिन पहले जारी किया था एनबीड बल्लू पुलिस ने करीब 20 दिन पहले विधायक अमानतुल्लाह खान, पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसके अलावा दिल्ली स्थित घर समेत सभी संभावित स्थान पर दबिश दी गई। इसी बीच कोर्ट ने अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

सवा दो महीने की चुनाव यात्रा में हमने देश को प्रभावित करने वाले असल मुद्दों पर जनता की राय जानी

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए लगभग दो महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान तमाम तरह के मुद्दे उभर कर आये और देखा जाये तो हर चरण के मुद्दे अलग-अलग रहे। प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वाक्यों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर-

प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा।

कर सकते हैं, हम महामारी के समय नेगेटिव में चली गयी विकास दर को चंद महीनों में दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना सकते हैं तो हम विकसित भारत भी बन सकते हैं।

संविधान और लोकतंत्र को खतरा- विपक्ष ने चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा हमले किये वह थे संविधान और लोकतंत्र को खतरा में बताना। विपक्ष की ओर से यह बात फैलाई गयी कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गयी और मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन गये तो यह आखिरी चुनाव होगा और भारत में भी रूस और उत्तर कोरिया जैसा शासन हो जाएगा। जब हमने प्राथमिक क्षेत्रों के बीच जनता का मन टटोला तो खासतौर पर पिछड़े वर्ग के लोगों ने कहा कि हमें सड़क और बिजली नहीं चाहिए पर संविधान में हमें जो अधिकार दिये गये हैं वह नहीं खत्म होना चाहिए। हमने बताया कि विपक्ष ने जो ब्रह्मचरिणी का नाम रूपायिणी के नाम पर रखा है वह भी सत्ता में आते तो गरीबों और पिछड़ों के अधिकार छीन लेगी उसका निचले स्तर पर काफी असर हो रहा था। इस भ्रम को दूर करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से कोई प्रयास भी नहीं किये जा रहे थे जिससे भाजपा को नुकसान की संभावना हमें दिखाई दी। हालांकि इस मुद्दे को लेकर अधिकांश लोगों का कहना था कि संविधान और लोकतंत्र को कोई खतम नहीं कर सकता और यदि किसी ने ऐसे प्रयास किये तो जनता सड़कों पर उतर आयेगी। लोगों ने कहा कि कृषि कानूनों को वापस लेने वाली मोदी सरकार जनता की ताकत जान गयी है और उसे पता है कि संसद में बहुमत के दम पर तानाशाही या मनमाना नहीं की जा सकती।

भ्रष्टाचार विरोधी अभियान- देश भर में भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को लेकर विपक्ष का आरोप था कि उसे परेशान किया जा रहा है और सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्ष ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जनता से समर्थन भी मांगा लेकिन जब हमने जनता से बात की तो सभी का यह कहना था कि यह बहुत अच्छा काम हो रहा है। जनता ने कहा कि हमने मोदी सरकार को जनादेश इसी बात का दिया था कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये। लोगों ने कहा कि पहले हम नेताओं के करोड़ों रूपए के घोटालों की खबरें जब पढ़ते थे तो उसमें घोटाला की गयी रकम के शून्य गिनते रह जाते थे लेकिन अब टीवी पर दिखाई



भी देता है कि कितनी रकम पकड़ी गयी है और कैसे नोट गिनने वाली मशीनें नोट गिनते गिनते गर्म होकर बंद हो जा रही हैं। लोगों ने कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का ही नतीजा है कि काला धन कम हुआ है। लोगों ने कहा कि ईडी-सीबीआई का डर नेताओं के मन में बैठना देश के लिए अच्छा है।

परिवारवाद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत परिवारवादी नेताओं पर प्रहार के साथ की थी जिसके बाद आरोप लगाया गया कि मोदी परिवार का महत्व क्या जानें क्योंकि उनका कोई परिवार ही नहीं है। इसके बाद भाजपा ने 'मैं हूँ मोदी का परिवार' अभियान चला दिया और देखते ही देखते राष्ट्रव्यापी मोदी का परिवार खड़ा हो गया। भाजपा नेताओं ने परिवारवाद पर जिस प्रकार हमले किये उसके चलते जनता के बीच यह बड़ा मुद्दा तो बना ही साथ ही परिवारवादी दलों के भीतर भी इसको लेकर घमासान मचा। जब भी परिवार आधारित दलों के उम्मीदवारों की सूची आई तो उसमें परिवार के कई लोगों का नाम अमर के चलते पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गये। इन लोगों का कहना था काम करने के लिए जिन लोगों की सूची आती है उनमें हमारा नाम शीर्ष पर होता है लेकिन जब चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची आती है तो हम उसमें नहीं होते। हमने यह भी पाया कि परिवार आधारित दलों के पारिवारिक गृह के रूप में विख्यात संसदीय क्षेत्रों में अब परिवार के प्रति मोह कम होता जा रहा है।

महंगाई- महंगाई इस चुनाव में एक बड़े मुद्दे के रूप में उभरी। देखा जाये तो इसको लेकर भाजपा को कहीं-कहीं रक्षात्मक मुद्दा भी अपनानी पड़ी। हालांकि भाजपा को जो कार वोट बैंक है उसको इससे ज्यादा

फर्क नहीं दिखा और उसका कहना था कि जब आमदनी बढ़ी है तो महंगाई भी बढ़ी है। भाजपा समर्थकों का कहना था कि वैश्विक चुनौतियों के बीच दुनिया भर में सबसे कम महंगाई भारत में ही है। उनका कहना था कि हमारे पड़ोसी देश दिवालिया हो रहे हैं और हम तेजी से सतर्क कर रहे हैं जिसका सीधा अर्थ यही है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां बहुत अच्छी हैं। हालांकि आम जनता रोजमर्रा के सामान की बढ़ती कीमतों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च, तमाम वस्तुओं पर जीएसटी की ज्यादा दरों को लेकर नाराज नजर आई और सरकार से मांग की कि उसे इस ओर ध्यान देना चाहिए। हालांकि महंगाई को लेकर कहीं-कहीं नहीं दिखा कि जनता सरकार बदलने के मूढ़ में है।

बेरोजगारी- बेरोजगारी का विषय भी इस चुनाव में काफी छाया रहा। इस विषय के साथ पेपर लोक जैसी विकलाल होती समस्या और कौशल की कमी जैसे मुद्दे भी जुड़े रहे। कांग्रेस ने 'पहली नौकरी पक्की' जैसा बड़ा वादा किया था लेकिन इसका कोई खास असर होता नहीं दिखा। युवाओं का कहना था कि हमें ऐसा अस्थायी अवसर नहीं बल्कि जीवन में स्थायित्व चाहिए। युवाओं का कहना था कि हमें दस हजार की नौकरी नहीं बल्कि बेहतर अवसर चाहिए। युवाओं का यह कहना था कि पिछले दस सालों में नौकरियों में भ्रष्टाचार कम हुआ है और अब नौकरी हासिल करने के लिए रिश्वत नहीं देनी पड़ती। युवाओं का कहना था कि सरकारी नौकरियों में भी कर्नाटक जनता देख रही है कि एक और मोदी हैं और दूसरी ओर के उम्मीदवार का पता ही नहीं है। जनता का कहना था कि हम नहीं चाहते कि नई सरकार देश के लिए काम करने की बजाय प्रधानमंत्री पद की कुर्सी पाने की लड़ाई में ही फंस कर रह जाये।

में हमें ऐसे युवा भी मिले जो कि स्थानीय लोगों के लिए उस क्षेत्र के उद्योगों में आरक्षण के समर्थक दिखे। युवाओं ने यह भी माना कि देश की बढ़ती आबादी भी बेरोजगारी की समस्या का एक बड़ा कारण है।

शिक्षा और स्वास्थ्य- सरकारी स्कूलों में शिक्षा का खराब स्तर, सुविधाओं की कमी, शहरी क्षेत्रों में स्कूलों में दखिले की समस्या, निजी ट्यूशन केंद्रों की फीस पर भारी भरकम जीएसटी, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी, चिकित्सा जांच केंद्रों की कमी, सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की कमी, बाजार की महंगी दवाएं और डॉक्टरों की कमी जैसे मुद्दे बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करते दिखे। नई सरकार को प्राथमिकता के आधार पर इस पर ध्यान देना होगा।

हिंदुत्व- अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद सं देश भर में जो माहौल बना उसका फायदा भाजपा को होता दिख रहा है। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 'विकास और विरासत' को जिस तरह तवज्जो दी उसका काफी असर देखने को मिला है। धर्म स्थलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने का ऐसा असर हुआ है कि पर्यटन स्थलों से ज्यादा लोग धर्म स्थलों पर जाने लगे हैं। हालांकि एक समावेशन के समर्थक हैं। हालांकि एक समावेशन के स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बल प्रदान किया है। धर्म स्थलों तक बंद भारत जैसी आधुनिक ट्रेंडें देकर मोदी सरकार ने उस क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। खासतौर पर सनातन संस्कृति के प्रति युवाओं का प्रेम ऐसा बढ़ा है जो कि देखते ही बनता है। हालांकि कुछ लोग हिंदुत्व की तमाम तरह की परिभाषा देकर या विवादित बयान देकर विवाद खड़ा करते रहते हैं लेकिन आमतौर पर हिंदू शांति ही रहता है। हालांकि एक बदलाव जरूर आया है कि अब अपने को सेकुलर दिखाने की चाहत किसी में नहीं है और सब खुलकर अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करते हैं।

नेतृत्व- पूरे चुनाव में यह एक ऐसा मुद्दा रहा जो कि सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला था। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है तो दूसरी ओर विपक्ष से कौन नेतृत्व करेगा यह सवाल पूरे चुनाव में बना ही रहा। प्रधानमंत्री ने अपनी रैलियों में कहा कि विपक्ष ने पांच साल में पांच प्रधानमंत्री रैलियों की योजना बनाई है जिसका जनता के बीच काफी असर देखने को मिला। देश ने पिछले दस साल में स्पष्ट बदल वाली सरकार के कामकाज को देखा है और उससे पहले के गठबंधन सरकार की मजबूतियों में पिसते देखे तो महंगाई है इसलिए एक बात तो स्पष्ट रही कि देश में स्पष्ट बहुमत वाली सरकार की मजबूती पद का उम्मीदवार नहीं देकर बड़ी गलती की है क्योंकि जनता देख रही है कि एक और मोदी हैं और दूसरी ओर के उम्मीदवार का पता ही नहीं है। जनता का कहना था कि हम नहीं चाहते कि नई सरकार देश के लिए काम करने की बजाय प्रधानमंत्री पद की कुर्सी पाने की लड़ाई में ही फंस कर रह जाये।

फुल टैंक में 1000 किलोमीटर से भी ज्यादा चलती हैं ये कार, जानिए इनकी कीमत और खासियत



परिवहन विशेष न्यूज

टोयोटा हाइराइडर हाइब्रिड का दावा है कि यह 27.93 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें 45 लीटर का फ्यूल टैंक है। Toyota Hyryder की तरह Maruti Suzuki Grand Vitara हाइब्रिड भी 27.93 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। Honda City eHEV की क्लेम

फ्यूल एफिशियंसी 27.13 किमी प्रति लीटर है और इसमें 40 लीटर का फ्यूल टैंक है।

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रहे पेट्रोल-डीजल के दामों के बीच नए Car Buyer चाहते हैं कि उन्हें ऐसी कार मिले जो फ्यूल एफिशिएंट हो। अपने इस लेख में हम आपके लिए ऐसी ही गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। ये कारें एक बार टैंक फुल करने पर 1000 KM से ज्यादा की दूरी तय कर सकती हैं।

Toyota Hyryder

Toyota Hyryder हाइब्रिड का दावा है

कि यह 27.93 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें 45 लीटर का फ्यूल टैंक है। इसका मतलब है कि यह एसयूवी तकनीकी रूप से एक बार पेट्रोल भरकर 1,257 किलोमीटर तक चल सकती है। आप इसे 11.14 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Maruti Suzuki Grand Vitara

Toyota Hyryder की तरह, Maruti Suzuki Grand Vitara हाइब्रिड भी 27.93 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। इसीलिए एक फुल टैंक पर यह 1,257 किमी तक की रेंज प्रदान करती है। आप

इसे 10.87 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Honda City e:HEV

Honda City e:HEV की क्लेमड फ्यूल एफिशियंसी 27.13 किमी प्रति लीटर है और इसके 40 लीटर के ईंधन टैंक का मतलब है कि ये एक बार पेट्रोल भरवाने पर 1,085 किमी तक चल सकती है। आप इसे 19.04 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Maruti Suzuki Invicto

Toyota Innova Hycross पर आधारित Maruti Suzuki Invicto में 2.0-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन है, जो 23.24

किलोमीटर प्रति लीटर (ARAI) माइलेज देती है। 52-लीटर के फ्यूल टैंक के साथ यह रेंज 1,208 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। आप इसे 25.11 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Toyota Innova Hycross

Toyota Innova Hycross में 2.1 लीटर का फ्यूल टैंक का दावा किया गया माइलेज मिलता है। इसका मतलब है कि ये एक बार फुल टैंक भरने के बाद 1,097 किलोमीटर तक चल सकती है। आप इसे 19.77 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

हुंडई ग्रैंड 10 एनआईओएस का नया कॉर्पोरेट वैरियंट लॉन्च, जानें खूबियां और कीमत....

परिवहन विशेष न्यूज

साउथ कोरियाई कार निर्माता Hyundai Motors की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन Cars And SUVs को ऑफर किया जाता है। Hyundai Motor India की ओर से हाल में ही हैचबैक कार के तौर पर ऑफर की जाने वाली Grand i10 Nios का नया Corporate Variant लॉन्च किया गया है। इसे किस कीमत पर और किन खूबियों के साथ लाया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी की बिक्री करने वाली साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai Motors ने हैचबैक कार Grand i10 Nios का नया Corporate Variant लॉन्च कर दिया है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि इस नए वैरियंट में कंपनी की ओर से क्या खूबियां दी गई हैं। साथ ही इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Hyundai Grand i10 Nios का Corporate Variant लॉन्च

हुंडई मोटर इंडिया की ओर से भारतीय बाजार में ऑफर की जाने वाली हैचबैक कार आई-10 का नया कॉर्पोरेट वैरियंट लॉन्च कर

दिया गया है। कंपनी की ओर से इसमें कई बेहतरीन खूबियों को भी दिया गया है। इस वैरियंट के जरिए कंपनी युवाओं को लुभाने की तैयारी कर रही है।

कैसे हैं फीचर्स

हुंडई ने ग्रैंड आई-10 नियोस के कॉर्पोरेट वैरियंट में 17.14 सेमी टचस्क्रीन दिया है। इसके साथ गाड़ी में ड्यूल टोन स्टाइल के 15 इंच व्हीलस, छह एयरबैग, 30 से ज्यादा सेफ्टी फीचर, ड्यूल टोन ग्रे इंटीरियर, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्टमेंट, फुटवेल लाइट, फ्रंट रूम लैप, स्टेयरिंग व्हील माउंटिड कंट्रोल, रियर एसी वेंट, पैसेंजर वॉलेंटिमीटर, टीपीएमएस, एबीएस, ईबीडी, एलईडी डीआरएल, टेलगेट पर कॉर्पोरेट बैजिंग को दिया गया है। इस कार में कुल सात मोनोटोन रंगों का विकल्प दिया गया है। जिसमें अमेजन ग्रे को नए रंग के तौर पर शामिल किया गया है। इसके अलावा इसमें Atlas White, Typhoon Silver, Titan Grey, Teal Blue, Fiery Red, Spark Green जैसे रंग मिलेंगे।

किताबत दमदार इंजन

हुंडई ने आई-10 नियोस में 1.2 लीटर Kappa पेट्रोल इंजन दिया है। जिसके साथ पांच स्पीड मैनुअल और स्मार्ट ऑटो एमटी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है।

इंडियन मार्केट में जल्द लॉन्च होंगी ये 5 नई कार, लिस्ट में एक 4X4 SUV भी शामिल

परफॉरमेंस-बेस्ड टाटा अल्ट्रोस रेसर आधिकारिक तौर पर भारत में 13 जून को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी और इसमें नेक्सन की तरह 1.2 लीटर 3-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। निसान इंडिया जल्द ही एक्स-ट्रेल लॉन्च करने वाली है जो कि 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है। 5-डोर महिंद्रा थार को 15 अगस्त 2024 को लॉन्च किया जाएगा और यह मौजूदा तीन दरवाजों वाले मॉडल से बड़ी होगी।

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो इंडस्ट्री साल 2024 खत्म होने तक कई नए मॉडलों का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है। यहां हमने टाटा, महिंद्रा, किआ, निसान और सिट्रोएन जैसे ब्रांड्स के जल्द ही लॉन्च होने वाले पांच मॉडलों के बारे में बताया है।

Tata Altroz Racer

परफॉरमेंस-बेस्ड टाटा अल्ट्रोस रेसर आधिकारिक तौर पर भारत में 13 जून को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी और इसमें नेक्सन की तरह 1.2 लीटर, 3-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। ये पावरट्रेन 120 PS की शक्ति और 170 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा। इसे रेगुलर वैरियंट से अलग दिखने के लिए विजुअल अपडेट और कॉन्फिगरिंग इंटीरियर टच मिलेंगे, जबकि फीचर लिस्ट भी ज्यादा प्रीमियम होने वाली है।

Nissan X-Trail

निसान इंडिया जल्द ही एक्स-ट्रेल लॉन्च करने वाली है, जो कि 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है। इस एसयूवी को वैश्विक स्तर पर 2022 के मध्य में एक बड़ा अपडेट मिला है और अक्टूबर 2022 में इसके प्रदर्शन के बाद मॉडल को स्थानीय सड़कों पर कई बार देखा गया है। इसे सीबीयू रूट के माध्यम से देश में लाया जाएगा और कम से कम शुरुआत में सीमित संख्या में बेचा जाएगा।

New Kia Carnival

चौथी पीढ़ी की कार्निल आने वाले महीनों में



पहली बार भारत आएगी और इसे हाल ही में बिना किसी कैमोफ्लेज के देखा गया था। ये पुराने मॉडल की तुलना में एक बड़ा बदलाव होगा और ये कई सीटिंग कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध होगी।

यह इनोवा हाइक्रॉस के टॉप-स्पेक वैरियंट के साथ कंपीट करेगी और इसमें कम्फर्ट, सुरक्षा और सुविधा से संबंधित आधुनिक सुविधाओं को शामिल करते हुए एक तकनीक से भरपूर इंटीरियर होगा।

Mahindra Thar Armada

5-डोर महिंद्रा थार को 15 अगस्त, 2024 को लॉन्च किया जाएगा और यह मौजूदा तीन दरवाजों वाले मॉडल से बड़ी होगी। इसे एक विस्तृत रेंज में बेचा जाएगा, जिसमें 1.5 लीटर डीजल, 2.2 लीटर डीजल और 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन होगा। इस ऑफरोडर को मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प के साथ बेचा जाएगा। इसके बाहरी हिस्से में मामूली बदलाव किए जाएंगे, लेकिन इंटीरियर में बड़े बदलाव होने की उम्मीद है। इसमें बड़ा टचस्क्रीन डिस्प्ले, डिजिटल कंसोल और बहुत कुछ शामिल है।

Citroen Basal

कुछ महीने पहले सिट्रोएन ने बेसाल्ट विजन कूप कॉन्सेप्ट का अनावरण किया और यह आने वाले महीनों में एक मिडसाइज एसयूवी कूप को जन्म देगी। यह C3 एयरक्रॉस के समान प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और आगामी टाटा कर्व (ICB) को टक्कर देगी। यह C3 एयरक्रॉस की तुलना में अधिक सुविधाओं से लैस होगी और इसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन होगा।

डुकाटी स्ट्रीटफाइटर V4 Supreme की इंडिया में शुरू हुई बुकिंग, जल्द लॉन्चिंग की उम्मीद

Ducati Streetfighter V4 Supreme में सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं। अब ये व्हाइट और रेड कलर में सुप्रीम लिवरी पहनती है। यहां तक कि पहिए भी अब सफेद रंग के हैं। डुकाटी इसे राइडिंग मोड पावर मोड कॉर्नरिंग ABS ट्रेक्शन कंट्रोल 5-इंच TFT स्क्रीन स्लाइड कंट्रोल व्हीली कंट्रोल और इंजन ब्रेक कंट्रोल जैसे फीचर्स के साथ पेश करती है।

नई दिल्ली। Ducati India ने Streetfighter V4 Supreme को भारतीय वेबसाइट पर लिस्ट कर दिया है। इसका मतलब है कि मोटरसाइकिल का स्पेशल एडिशन भारतीय बाजार में भी आएगा। आप इसे अधिकृत डुकाटी डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। लिमिटेड एडिशन मोटरसाइकिल को अमेरिका के मशहूर कपड़ों के ब्रांड सुप्रीम के साथ मिलकर बनाया गया है। इसकी कीमत स्टैंडर्ड स्ट्रीटफाइटर V4 से ज्यादा होगी।

Ducati Streetfighter V4 Supreme में क्या खास ?

इसमें सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं। अब ये व्हाइट और रेड कलर में सुप्रीम लिवरी पहनती है। लिवरी की कल्पना सुप्रीम ने की है और एल्डो डूडी ने मोटरसाइकिल पर एक खास ग्राफिक बनाया है।

यहां तक कि पहिए भी अब सफेद रंग के हैं और पहियों, फ्यूल टैंक, फ्रंट मडगार्ड और फिलियन सीट कवर पर सुप्रीम लेटरिंग है। इतना ही नहीं, मोटरसाइकिल को एक विशेष लकड़ी के बक्से में डिलीवर किया



जाएगा जिस पर खुद ही डुकाटी सुप्रीम लिखा होगा। डुकाटी स्पॉर्ट प्रिन्स का उपयोग करती है, जो मोटरसाइकिल के साथ आने वाले स्टैंडर्ड प्रिन्स की तुलना में बेहतर पकड़ और आराम प्रदान करती है। इसमें एक विशेष टेल सेक्शन है, जिसे एक्सप्रेसरी पैक में शामिल किट के साथ टू-सीटर में बदला जा सकता है। फिर ब्रेम्बो स्टाइलमा मोनोब्लॉक फ्रंट कैलिपर्स हैं, जिन्हें ब्रेम्बो ने विशेष रूप से डुकाटी स्ट्रीटफाइटर V4 सुप्रीम के लिए बनाया है, जिसमें लाल रंग के ब्रेम्बो लोगो पर सफेद रंग है।

इंजन और परफॉरमेंस

मोटरसाइकिल को पावर देने वाला वही 1103 सीसी डेस्मोसेडिसी V4 इंजन है, जो 13000 आरपीएम पर 206 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 9500 आरपीएम पर 123 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। यह 6-स्पीड ट्रांसमिशन से जुड़ा है, जिसमें ऑटो-ब्लिपर के साथ क्विकशिफ्टर मिलता है।

सस्पेंशन ड्यूटी ओहलिनस NIX30 43 मिमी अपसाइड डाउन फ्रंट फोक्स और TTX36 द्वारा की जा रही है पीछे मोनोशॉक

है। सस्पेंशन यूनिट इलेक्ट्रॉनिक रूप से पूरी तरह से एडजस्ट की जा सकती है, वे ओहलिनस स्मार्ट EC 2.0 तकनीक का उपयोग करते हैं। ब्रेकिंग ड्यूटी सामने की तरफ टिवन 330 मिमी डिस्क और पीछे की तरफ 245 मिमी डिस्क द्वारा की जाती है।

फीचर्स

डुकाटी इसे राइडिंग मोड, पावर मोड, कॉर्नरिंग ABS, ट्रेक्शन कंट्रोल, 5-इंच TFT स्क्रीन, स्लाइड कंट्रोल, व्हीली कंट्रोल और इंजन ब्रेक कंट्रोल जैसे फीचर्स के साथ पेश करती है।

टाटा मोटर्स ने बनाई ऑटो मार्केट पर राज करने की प्लानिंग! 50 लाख नए पैसेंजर व्हीकल बेचेगी कंपनी

परिवहन विशेष न्यूज

चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने और इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। चंद्रशेखरन ने कहा कि ईवी व्यवसाय कई उत्पाद लॉन्च के माध्यम से पैठ बढ़ाने बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और आकांक्षात्मक उत्पाद सुविधाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

नई दिल्ली। Tata Group के चेयरमैन N Chandrasekaran के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में घरेलू Passenger Vehicle सेगमेंट की वार्षिक बिक्री 50 लाख के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है और टाटा मोटर्स इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए

तैयार है।

Tata Motors का फ्यूलर प्लान 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों को दिए गए संदेश में उन्होंने कहा कि कंपनी आगे चलकर अपने कारोबार में राजस्व वृद्धि और मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करेगी। चंद्रशेखरन ने कहा- उन्होंने कहा कि भारत में वाहनों की पहुंच, प्रति 1,000 जनसंख्या पर लगभग 30 वाहन है, जो वैश्विक मानदंडों से काफी कम है और इसमें वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

EBITDA में भी होगा सुधार

चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने और इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यात्री वाहन सेगमेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले चरण में व्यवसाय राजस्व वृद्धि को बढ़ावा देने, EBITDA में सुधार, मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह, प्रौद्योगिकी और ब्रांड नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उन्होंने कहा कि वाहनों की बिक्री के

अलावा, व्यवसाय वाहन पार्क से जुड़े व्यवसायों जैसे स्पेयर पार्ट्स, डिजिटल और स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा, जो वाहन बिक्री व्यवसाय की अस्थिरता को कम करने में मदद करेगा।

EV Segment में नंबर-1

चंद्रशेखरन ने कहा कि ईवी व्यवसाय कई उत्पाद लॉन्च के माध्यम से पैठ बढ़ाने, बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने, चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और आकांक्षात्मक उत्पाद सुविधाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी के पीवी व्यवसाय ने वित्त वर्ष 24 में 52,353 करोड़ रुपये के वार्षिक राजस्व के साथ अपना अब तक का सबसे अधिक कारोबार दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में 9.4 प्रतिशत बढ़ा।

JLR को लेकर क्या कहा ?

जेएलआर के बारे में उन्होंने कहा कि ब्रांड प्रीमियम लक्जरी ओईएम बनने की अपनी यात्रा को दोगुना करना जारी रखेगा, मजबूत राजस्व वृद्धि प्रदान करेगा, लाभप्रदता में और सुधार करेगा, सकारात्मक मुक्त नकदी प्रवाह को बढ़ावा देगा और उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जारी रखेगा।



मुफ्त बीमा से कैंसर के इलाज के खर्च तक, महिलाओं के स्पेशल सेविंग अकाउंट में मिलती हैं ये खास सुविधाएं

परिवहन विशेष न्यूज

एचडीएफसी बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे देश के दिग्गज बैंक महिलाओं के लिए खास सेविंग अकाउंट की सुविधा देते हैं। इसमें मुफ्त बीमा किफायती ब्याज दर और मुफ्त SMS चार्ज जैसे कई फायदे मिलते हैं। यह खाता कोई भी बालिंग महिला खोल सकती है। लेकिन पुरुष के साथ ज्वाइंट खाता खोलने की इजाजत नहीं। आइए जानते हैं कि इन स्पेशल सेविंग अकाउंट के सारे फायदे।

नई दिल्ली। महिलाओं का घर संभालने के मामले में कोई जवाब नहीं। वे घर की हर छोटी से बड़ी जरूरत का बड़ा सलीके से ख्याल रखती हैं। वह पैसों का भी बड़े कुशल तरीके से प्रबंधन करती हैं। यही वजह है कि कई बैंकों ने कुछ स्पेशल सेविंग अकाउंट पेश किए हैं, जो खासतौर पर महिलाओं के लिए हैं।

HDFC विमन सेविंग्स अकाउंट
देश के प्राइवेट सेक्टर सबसे बड़े बैंक HDFC के विमन सेविंग्स अकाउंट में खास फीचर हैं। इसमें 10 लाख रुपये का एक्सिडेंटल डेथ कवर मिलता है। साथ ही, अस्पताल में भर्ती होने पर 1 लाख



रुपये का कवर मिलता है। अगर आप इस सेविंग अकाउंट के जरिए शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए डीमैट अकाउंट खोलती हैं, तो 1 साल का प्री एनुअल मेंटनेंस चार्ज (AMC) रहता है। ऑटो लोन की ब्याज दर में भी डिस्काउंट मिलता है।

बड़ौदा महिला शक्ति सेविंग्स अकाउंट
पब्लिक सेक्टर के बैंक ऑफ बड़ौदा के महिला शक्ति सेविंग्स अकाउंट में प्री रूपे प्लेटिनियम डेबिट

कार्ड मिलता है। साथ ही, 70 साल के लिए 2 लाख रुपये का एक्सिडेंटल इश्योरेंस कवर दिया जाता है। साथ ही, आपको एक साल के लिए SMS अलर्ट के लिए कोई चार्ज नहीं देना होता। अगर इस सेविंग अकाउंट के जरिए महिलाएं लोन लेती हैं, तो उन्हें ब्याज पर 0.25 प्रतिशत का मिलता है।

यूनियन समृद्धि सेविंग्स अकाउंट
यूनियन समृद्धि सेविंग्स अकाउंट भी महिलाओं के लिए है। इसमें डेबिट कार्ड के साथ एयर

एक्सिडेंट का 50 लाख रुपये का बीमा मिलता है। वहीं, 5 लाख रुपये का प्री पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिलता है। साथ ही, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर का पता चलने पर इलाज के लिए पांच लाख रुपये मिलते हैं।

साथ ही, बैंक महिला खाताधारक को लॉकर रेंट में पहले साल के लिए 50 प्रतिशत तक की छूट देता है। महिलाओं को SMS अलर्ट के लिए भी कोई चार्ज नहीं देना पड़ता।

ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस लाया आरबीआई, अभी भी विदेश में है भारत का सैकड़ों टन सोना; जानें क्या है इसकी वजह

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन में जमा अपने सोने को वापस मंगवा लिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया कि आरबीआई ने ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस लिया है। वर्ष 1991 में भारत ने बहुत वित्तीय संकट को टालने के लिए ब्रिटेन में सोना गिरवी रखा था लेकिन बाद में आरबीआई ने सारे कर्ज चुका दिये थे। पढ़ें पूरी खबर



आपको बता दें कि साल 1991 में मौजूद सरकार ने वित्तीय संकट को निपटाने के लिए गोल्ड को गिरवी रखा था। उस वक्त आरबीआई ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के पास 46.91 टन सोना गिरवी रखा था तब तक वह 400 मिलियन डॉलर इकट्ठा कर पाए।

बैंकिंग विभाग की संपत्ति के रूप में रखे गए सोने का मूल्य 31 मार्च, 2023 तक 2,30,733.95 करोड़ रुपये से 19.06 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड़ रुपये हो गया।

हर साल सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। दुनिया में सोने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। सोने की कीमतों में इजाफा की वजह पश्चिम एशिया में लंबे समय तक चले भू-राजनीतिक संघर्ष भी है। वहीं, आरबीआई सहित कई केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड खरीदारी और भौतिक सोने की मांग में वृद्धि की वजह से भी गोल्ड की कीमतों में तेजी आई है।

वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं, जिसे अक्सर मुद्रा की अस्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिमों के खिलाफ बचाव के रूप में देखा जाता है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेश में रखे सोने को वापस मंगवा लिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया कि आरबीआई ने ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस मंगवाया है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और भारत के प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने आज एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत अब अपना अधिकांश सोना अपनी तिजोरियों में रखेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि
आरबीआई ने बताया कि भारत के पास विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले कारोबारी साल तक विदेशी मुद्रा भंडार में 822.10 टन सोना था। वहीं, फाइनेंशियल इयर 2022-23 में विदेशी मुद्रा भंडार में 794.63 टन से ज्यादा का सोना था।

30 दिन में पैसे डबल, इस शेयर को लोकसभा चुनाव की टेंशन नहीं

यह देश की इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवेशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है। लेकिन इस कंपनी जैसा जादू कोई नहीं दिखा पाया। आइए जानते हैं कि यह कंपनी कौन है और इसने कितना रिटर्न दिया है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की शुरुआत के बाद से ही भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता काफी बढ़ गई थी। लार्ज कैप से लेकर मिड और स्मॉल कंपनीयों तक सबके स्टॉक्स में काफी उतार चढ़ाव दिखा। विदेशी निवेशकों ने भी अप्रैल और मई के दौरान जमकर बिकवाली की।

लेकिन, इन सबके बीच कुछ शेयरों में भारी उछाल दिखा और उन्होंने अपने निवेशकों को मालामाल किया है। ऐसा ही एक स्टॉक है, रतनइंडिया पावर लिमिटेड (RattanIndia Power)।

देश की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनियों में से रतनइंडिया ने

एक महीने में 100.54 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक महीने पहले रतनइंडिया के शेयरों का भाव 9.20 रुपये था, जो अब 18 रुपये के पार पहुंच चुका है। पिछले पांच कारोबारी सत्रों की ही बात करें, तो इसमें करीब 16 फीसदी की तेजी आई है।

चुनाव के दौरान 100% का रिटर्न
रतनइंडिया इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है, जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवेशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि, इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, जॉनसन कंट्रोल्स - हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड, सेंचुरी एनका लिमिटेड, फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड और जुपिटर वैगन्स लिमिटेड ने भी अच्छा रिटर्न दिया। लेकिन, रतनइंडिया पावर जैसा जादू कोई नहीं दिखा पाया।

30 दिन में पैसे डबल, इस शेयर को लोकसभा चुनाव की टेंशन नहीं

यह देश की इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवेशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है। लेकिन इस कंपनी जैसा जादू कोई नहीं दिखा पाया। आइए जानते हैं कि यह कंपनी कौन है और इसने कितना रिटर्न दिया है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की शुरुआत के बाद से ही भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता काफी बढ़ गई थी। लार्ज कैप से लेकर मिड और स्मॉल कंपनीयों तक सबके स्टॉक्स में काफी उतार चढ़ाव दिखा। विदेशी निवेशकों ने भी अप्रैल और मई के दौरान जमकर बिकवाली की।

लेकिन, इन सबके बीच कुछ शेयरों में भारी उछाल दिखा और उन्होंने अपने निवेशकों को मालामाल किया है। ऐसा ही एक स्टॉक है, रतनइंडिया पावर लिमिटेड (RattanIndia Power)। देश की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनियों में से रतनइंडिया ने एक महीने में 100.54 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक महीने पहले रतनइंडिया के शेयरों का भाव 9.20 रुपये था, जो अब 18 रुपये के पार पहुंच चुका है। पिछले पांच कारोबारी सत्रों की ही बात करें, तो इसमें



करीब 16 फीसदी की तेजी आई है।

चुनाव के दौरान 100% का रिटर्न
रतनइंडिया इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है, जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवेशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि, इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, जॉनसन कंट्रोल्स -



हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड, सेंचुरी एनका लिमिटेड, फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड और जुपिटर वैगन्स लिमिटेड ने भी अच्छा रिटर्न दिया। लेकिन, रतनइंडिया पावर जैसा जादू कोई नहीं दिखा पाया।

क्या करती है रतनइंडिया पावर ?

रतनइंडिया पावर लिमिटेड देश के पावर सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसकी नींव 2007 में राजीव रतन ने रखी थी। इसका फोकस कोयले से चलने वाले थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स को चलाना और उनका रखरखाव करना है।

रतनइंडिया महाराष्ट्र के अमरावती और नासिक में स्थित अपने थर्मल पावर प्लांट से करीब 2,700 मेगावाट बिजली पैदा करती है। इनमें हरेक थर्मल पावर प्लांट की कैपेसिटी 1,350 मेगावाट है। इनसे लाखों घर रोशन होते हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 8% के पार, चौथी तिमाही में 7.8 फीसदी रही विकास दर

वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भारत के ग्रांस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) की विकास दर 7.8 फीसदी रही। वहीं पूरे वित्त वर्ष के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी रही। इन आंकड़ों काफी शानदार माना जा रहा है क्योंकि कई प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियों का अनुमान था कि चौथी तिमाही में भारत की ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी के करीब रहेगी।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भारत के ग्रांस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) की विकास दर 7.8 फीसदी रही। वहीं, पूरे वित्त वर्ष के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी रही। इन आंकड़ों काफी शानदार माना जा रहा है, क्योंकि कई प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियों का अनुमान था कि चौथी तिमाही में भारत की ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी के करीब रहेगी।



भारत की तीसरी तिमाही की विकास दर ने भी दुनियाभर के आर्थिक विशेषज्ञों को हैरान कर दिया था। यह 8.4 फीसदी की हैरतगंज दर से बड़ी थी, जबकि एक्सपर्ट का मानना था कि इसकी ग्रोथ रेट

7 फीसदी के करीब रहेगी। अर्थशास्त्रियों का यह भी कहना था कि भारत के लिए अपनी ग्रोथ की रफ्तार को चौथी तिमाही में जारी रख पाना मुमकिन नहीं है।

भारी गर्मी में एयर इंडिया की फ्लाइट 20 घंटे डिले, यात्री बेहाल; एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को भेजा कारण बताओ नोटिस

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट ने 20 घंटे की देरी के साथ उड़ान भरीगी। एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से उड़ान में देरी हुई। एयर इंडिया की फ्लाइट को गुरुवार को लगभग 3.30 बजे उड़ान भरनी थी लेकिन अब यह फ्लाइट शुकुवार को 3.00 बजे उड़ान भरेगी।

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट ने 20 घंटे की देरी के साथ उड़ान भरा है। फ्लाइट के डिले होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से उड़ान में देरी हुई। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एयरलाइन के अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 183, जिसे बोइंग 777 विमान के साथ संचालित किया जाना था और गुरुवार को लगभग 3.30 बजे उड़ान भरनी थी। अब यह फ्लाइट शुकुवार को 3.00 बजे उड़ान भरेगी।



फ्लाइट के यात्रियों ने अपनी परेशानी बताते हुए सोशल मीडिया पर शिकायत की। एक यात्री ने अपने पोस्ट में कहा कि फ्लाइट में कोई एयर कंडीशनिंग नहीं थी। यात्री ने एक्स पोस्ट पर कहा अगर यह प्राइवेटाइजेशन है तो

क्यों डिले हुई फ्लाइट
एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि विमान में तकनीकी समस्या आ गई थी और इंजीनियरिंग जांच की गई। फ्लाइट ने ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) पार कर लिया था। अगर फ्लाइट उड़ान भर भी लेती है तो वह सैन फ्रांसिस्को के पहुंच जाती। लेकिन, फिर भी वहां यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सैन फ्रांसिस्को में नाइट लैंडिंग पर प्रतिबंध है।

एयरलाइन आज 3 बजे उड़ान भरेगी। एयर इंडिया ने यात्रियों को रिफंड, होटल मानार्थ पुनर्निर्धारण और होटल आवास के ऑफर पेश किये हैं। फ्लाइट में हुई देरी को लेकर उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा।

इस रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयरों में दिखी हलचल; एक साल में दिया है 300 फीसदी का रिटर्न

सुजलॉन ग्रुप (Suzlon Group) को Oyster ग्रीन हाइड्रिड वन प्राइवेट लिमिटेड से 82 मेगावाट का प्रोजेक्ट मिला है। इसमें आगर (मध्य प्रदेश) में Oyster Green की साइट पर 26 विंड टरबाइन जेनरेटर्स (WTG) इंस्टॉल किए जाएंगे।

नई दिल्ली। सुजलॉन ग्रुप (Suzlon Group) ने शुकुवार को बताया कि उसे Oyster ग्रीन हाइड्रिड वन प्राइवेट लिमिटेड से

82 मेगावाट का प्रोजेक्ट मिला है। इसमें आगर (मध्य प्रदेश) में Oyster Green की साइट पर 26 विंड टरबाइन जेनरेटर्स (WTG) इंस्टॉल किए जाएंगे।

शेयरों पर दिखा शानदार असर
इस डील का असर सुजलॉन एनर्जी के शेयरों पर भी दिखा। निवेशकों ने सुजलॉन के शेयरों की जमकर खरीदारी की। इसके शेयर करीब साढ़े तीन फीसदी उछलकर 47 रुपये पर पहुंच गए। सुजलॉन के शेयरों ने लंबी सुस्ती के बाद पिछले 1 महीने में करीब 13 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है।

Oyster Green के साथ समझौते के तहत सुजलॉन विंड टरबाइन की सप्लाय

करेगी। साथ ही, निर्माण और कमीशनिंग सहित परियोजना की पूरी देखरेख भी करेगी। कंपनी कमीशनिंग के बाद व्यापक संचालन और रखरखाव सेवाएं भी उपलब्ध कराएगी।

क्या कहा सुजलॉन ग्रुप ने ?
सुजलॉन ग्रुप के इंडिया बिजनेस के सीईओ विवेक श्रीवास्तव ने कहा, 'इस प्रोजेक्ट की बिजली C&I (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) के ज्यूरिस्ट बेस को टारगेट करेगी। इससे देश में रिन्यूएबल एनर्जी का दबदबा भी बढ़ेगा। हम इंडस्ट्री को स्थायी ग्रीन एनर्जी से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पुणे स्थित सुजलॉन ग्रुप दुनिया में रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली दिग्गज

कंपनियों में से एक है। इसकी 17 देशों में 20.7 गीगावाट विंड एनर्जी कैपेसिटी इंस्टॉल है।

सुजलॉन के शेयरों का हाल
सुजलॉन एनर्जी के शेयरों ने पिछले एक साल में 300 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हालांकि, पिछले 6 महीने से कंपनी के स्टॉक का प्रदर्शन काफी सुस्त रहा। इस दौरान निवेशकों को सिर्फ 15 फीसदी का रिटर्न ही मिला। लेकिन, पिछले कुछ समय से सुजलॉन के शेयरों में फिर से तेजी देखी जा रही है।

सुजलॉन एनर्जी के एक साल के हाई लेवल की बात करें, तो यह 50.10 रुपये है। वहीं, कंपनी ने इस दौरान 10.65 पैसे का लो-लेवल भी टच किया है।



सरकारी नौकरी में प्रमोशन अधिकार नहीं, सविधान में तय नहीं किया कोई मानदंड :- सुप्रीम कोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने सरकारी नौकरी में प्रमोशन को लेकर बड़ी बात कही है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन देने के मानदंडों का संविधान में कहीं भी जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार और कार्यपालिका प्रमोशन के मानदंडों को तय करने के लिए स्वतंत्र है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने फैसले में कहा, 'भारत में कोई भी सरकारी कर्मचारी प्रमोशन को अपना अधिकार नहीं मान सकता है, क्योंकि संविधान में इसके लिए कोई मानदंड निर्धारित नहीं किया गया है।' अदालत ने अपने फैसले में कहा कि विधायिका का कार्यपालिका रोजगार की प्रकृति और उम्मीदवार से अपेक्षित कार्यों के आधार पर प्रमोशन के पदों पर रिक्तियों को भरने की

विधि तय कर सकती है। कोर्ट ने आगे कहा कि न्यायपालिका यह तय करने के लिए समीक्षा नहीं कर सकती कि प्रमोशन के लिए अपनाई गई नीति 'सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों' के चयन के लिए उपयुक्त है या नहीं। आपको बता दें कि गुजरात में जिला न्यायाधीशों के चयन पर विवादों पर अपना फैसला सुनाते हुए पीठ ने ये बातें कही हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने फैसला लिखते हुए कहा, 'हमेशा यह धारणा होती है कि लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों ने संस्था के प्रति वफादारी दिखाई है और इसलिए वे अपने करियर में संस्था से भी इसी तरह के व्यवहार के हकदार हैं।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार यह फैसला सुनाया है कि जहां योग्यता और वरिष्ठता के सिद्धांत पर प्रमोशन देना तय है, वहां योग्यता पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए।



कातिल गर्मी! यूपी में 24, बिहार में 46 लोगों की गई जान; 24 घंटे में देशभर में लू से 134 से अधिक की मौत

शुक्रवार को लू व भीषण गर्मी से बिहार में 46 झारखंड में 16 ओडिशा में 44 और यूपी में 24 की जान चली गई। राजस्थान में चार की मौत के साथ आठ दिनों में मरने वालों की संख्या 64 पहुंच चुकी है। पश्चिम ओडिशा में भीषण गर्मी के कारण हालात चिंताजनक हैं। भीषण गर्मी के कारण एक दिन में 44 लोगों की जान चली गई।

नई दिल्ली। शुक्रवार को लू व भीषण गर्मी से बिहार में 46, झारखंड में 16, ओडिशा में 44 और यूपी में 24 की जान चली गई। राजस्थान में चार की मौत के साथ आठ दिनों में मरने वालों की संख्या 64 पहुंच चुकी है। पश्चिम ओडिशा में भीषण गर्मी के कारण हालात चिंताजनक हैं। भीषण गर्मी के कारण एक दिन में 44 लोगों की जान चली गई। इनमें अकेले सुंदरगढ़ जिले में एक दिन में 20 लोगों की मौत हुई है। यूपी और बिहार में मरने वालों में क्रमशः 11 और आठ मतदान कर्मी शामिल हैं। बिहार में मौत की घटनाएं 11 जिलों में हुई हैं। सर्वाधिक मौत औरंगाबाद में हुई, जिसमें 17 लोगों ने दम तोड़ दिया। गया में सात, रोहतास में आठ, सारण में तीन, आरा, पटना व जहानाबाद में दो-दो, कैमूर, सिवान, हाजीपुर, नालंदा व मुंगेर में एक-एक की मौत हुई है। औरंगाबाद में लू से प्रभावित 350 लोगों का उपचार चल रहा है। मृतकों में चुनाव कार्य में लगे दो शिक्षक, दो अधिकारी एक जवान समेत आठ कर्मी शामिल हैं। मुंगेर में एक दारोगा की मौत हुई है। राज्य में बुधवार को 14 और गुरुवार को 65 की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान चीन की मदद से कश्मीर पीओके क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को कर रहा मजबूत...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। चीन और पाकिस्तान पीओके में एक साथ विवादित इलाके में सैन्य गतिविधि मजबूत कर रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से चीन जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना की रक्षा क्षमताओं को तेजी से बढ़ा रहा है। इसके तहत चीन स्टीलहेड बंकरों का निर्माण कर रहा है, साथ ही ड्रोन क्षमता को भी बढ़ा रहा है। चीन इस इलाके में पाकिस्तान को बड़ी सहायता पहुंचा रहा है। एलओसी के आस-पास के क्षेत्र में एनफ्रंटेटेड संचार टावरों की स्थापना और भूमिगत फाइबर केबल बिछाने का काम चल रहा है। इसके अलावा चीनी रडार सिस्टम 'जेवाई' और 'एचजीआर' को मध्यम और कम ऊंचाई वाले लक्ष्य का पता लगाने के लिए तैनात किया गया है। इनकी मदद से पाकिस्तानी सेना और

वायु रक्षा इकाइयों को जरूरी खूफिया मदद मिल सकेगी। एलओसी पर चीनी तोप तैनात अधिकारियों ने बताया कि एलओसी पर चीनी 155 मिमी ट्रक-माउंटेड होवित्जर तोप एस्पएच-15 को एलओसी के साथ कई जगहों पर देखा गया है। चीन के इस कदम को पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करने और विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से संबंधित चीनी निवेश की सुरक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। चीनी सैनिक पीओके में बना रहे सुरंग अधिकारियों ने बताया कि अग्रिम चौकियों पर चीनी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को मौजूदगी नहीं देखी गई,



लोकेशन कुछ इंटरसेप्टेड से पता चला है कि चीनी सैनिक और इंजीनियर एलओसी पर भूमिगत बंकरों का निर्माण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की लीपा घाटी में सुरंग निर्माण में लगे हुए थे। इससे लग रहा था कि यह सुरंग काराकोरम राजमार्ग से जोड़ने के लिए सभी मौसम

वाली सड़क बनाने का हिस्सा है। यह रणनीतिक कदम बीजिंग की सीपीईसी परियोजना से जुड़ा है। इसका लक्ष्य चीन के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र काराकोरम राजमार्ग के माध्यम से पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और चीन के शिनजियांग प्रांत के बीच एक सीधा मार्ग स्थापित करना है। सीमापार से भारत की बढ़ी चिंता इस क्षेत्र में चीनी सैन्य कर्मियों की लगातार उपस्थिति ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं, भारत ने पहले भी गिलगित और बाल्टिस्तान में चीनी गतिविधियों पर आपत्ति जताई है। अधिकारियों ने कहा कि तनाव बरकरार रहने के कारण भारत सतर्क है और सीमा पर से पैदा होने वाले किसी भी संभावित खतरे को विफल करने के लिए तैयार है।

अहिल्याबाई होळकर (31 मई 1725 - 13 अगस्त 1795)

अहिल्याबाई होळकर (31 मई 1725 - 13 अगस्त 1795), मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी तथा इतिहास-प्रसिद्ध स्वदेदार मल्हारराव होळकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने माहेश्वर को राजधानी बनाकर शासन किया था।

अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बंधवाए।

कुओं और बावडियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए। काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को पुनः स्थापित किया।

भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्नक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बनाई। मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिन्तन और प्रवचन हेतु की गयी।

स्वतन्त्र भारत में अहिल्याबाई होळकर का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। इनके बारे में अलग अलग राज्यों

की पाठ्य पुस्तकों में अध्याय मौजूद हैं।

चूँकि अहिल्याबाई होळकर एक ऐसी महारानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने भारत के अलग अलग राज्यों में मानवता की भलाई के लिये अनेक कार्य किये थे। इसलिये भारत सरकार तथा विभिन्न राज्यों की सरकारों ने उनकी प्रतिमाएँ बनवायी हैं। अमरावती मुजफ्फरनगर सहित काफ़ी शहरों में प्रतिमाएँ लगी हैं।

उनके नाम से कई कल्याणकारी योजनाओं को भी चलाया जा रहा है।

ऐसी ही एक योजना उत्तराखण्ड सरकार की ओर से भी चलाई जा रही है। जो अहिल्याबाई होळकर को पूर्ण सम्मान देती है। इस योजना का नाम 'अहिल्याबाई होळकर भेड़ बकरी विकास योजना' है।

इन्होंने माहेश्वर राज्य और मराठा क्षेत्र में ही सामाजिक कार्य नहीं किए वरन् दूर अन्य राज्यों में जन सामान्य लोगों के हित में पुण्य कर्म किए थे।

अहिल्याबाई होळकर की जयन्ती पर इन महान आत्मा को शत शत नमन।



सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाती : विशेष राहत आयुक्त सत्यब्रत साहू

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उड़ीशा

भुवनेश्वर : पश्चिम और आंतरिक ओडिशा के लिए विशेष सावधानी बरतने का आदेश दिया गया है। सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव के दौरान सावधानियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अप्राकृतिक मौतों की जांच के लिए झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट घटनास्थल पर हैं। मतकों में ज्यादातर मजदूर और ट्रक ड्राइवर बताए जा रहे हैं। बताया गया है कि वे पीक आवर्स के दौरान निकलते थे। गोलाबारी पांच दिनों तक जारी रहेगी। श्रमायुक्त को जांच के लिए कहा गया है। ताकि पीक हावर में इंडस्ट्री से बाहर कोई काम न करे। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई करने की बात कही गयी है। एसआरसी की जानकारी के मुताबिक अप्रैल में करीब 17 दिनों तक लू चली। मई में मौसम अच्छा था। पूरे प्रदेश में एक बार फिर लू की स्थिति पैदा हो गई है। यह पश्चिम और मध्य ओडिशा में अधिक महसूस किया जाता है। क्षेत्रीय मौसम



केंद्र भी मार्गदर्शन जारी कर रहे हैं। राज्य सरकार भी समय-समय पर जिला प्रशासन से इस पर चर्चा कर रही है। जनता को जिला प्रशासन की बात माननी चाहिए। अन्यथा कार्रवाई की जायेगी। सुंदरगढ़ और झारसुगुड़ा से ज्यादातर शिकायतें श्रमिकों से जुड़ी हैं। शुरुआती जांचकारी मिली है कि जो लोग सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक काम कर रहे हैं, उनकी जांच के आदेश कल शाम जारी कर दिए गए हैं। वहीं श्रम विभाग की ओर से श्रमिकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परिवहन विभाग ने बस यात्रियों के लिए यह आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता के लिए कदम उठाएगा। अगर लोग जरूरी काम से बाहर जा रहे हैं तो उन्हें छता, जूते, पानी की बोतल साथ रखनी चाहिए। पश्चिम और मध्य ओडिशा में अगले 3 तारीख तक लू की स्थिति बनी रहेगी। तटीय ओडिशा में गोलीबारी होगी। इनमें से कुछ जिलों में कल चुनाव होंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अलग से दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। विशेष राहत आयुक्त सत्यब्रत साहू ने कहा, हम आईएमडी के साथ लगातार संपर्क में हैं।

आइए हम सब मिलकर इस तपती भयंकर गर्मी में पशु-पक्षियों की मदद करें : वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

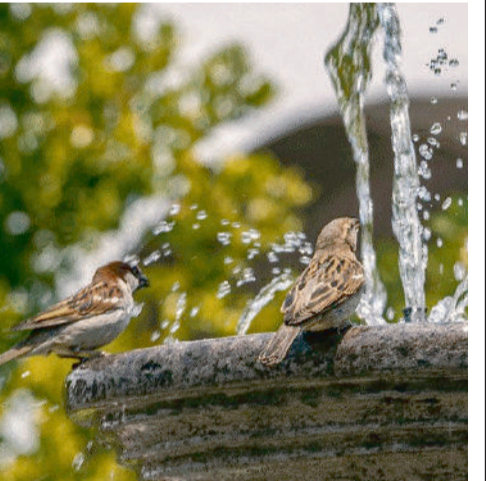
अपील - भयंकर गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए छाया, पानी और भोजन का प्रबंध करें : वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

आगरा। ताजनगरी और उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में भयंकर गर्मी का प्रकोप बरस रहा है। इस गर्मी से सिरफ़ इंसान ही नहीं, बल्कि नन्हें-नन्हें पक्षी भी परेशान हैं। हर साल गर्मी के मौसम में न जाने कितने पक्षी प्यास और हीटस्ट्रोक का शिकार हो कर जान दे देते हैं। हम यदि एक छोटी-सी कोशिश करें, थोड़ी-सी मानवता दिखाएं और अपने घर-आँगन में आने वाले पक्षियों के लिए पानी और आश्रय का प्रबंध करें, तो गर्मी के कारण होने वाली पक्षियों की मौत में काफ़ी कमी आ सकती है।

ये बात आगरा के सुप्रशिद्ध एवं लोकप्रिय वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट व उनका परिवार भी खूब समझता है। इस सन्दर्भ में उन्होंने सभी से अपील करते हुये कहा कि अभी से भयंकर गर्मी पड़ रही है। इस तपती गर्मी में जब मनुष्य का बुरा हाल है तो सोचिए बेजुबान प्राणियों का क्या हाल होगा? जिले में गर्मी बढ़ने लगी है। नोपता और आने वाले जेट महीने में और अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। तो आइए हम सब मिलकर इस तपती भयंकर गर्मी में पशु-पक्षियों की मदद करें और इन बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए छाया, पानी और भोजन का प्रबंध करें। क्योंकि इस भयंकर गर्मी में मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को खाना पानी की

आवश्यकता होती है। वैसे तो पशु-पक्षी बहुत मेहनती होते हैं और अपने लिए दाने की व्यवस्था खुद कर लेते हैं, लेकिन गर्मियों में जरूरी है कि उन्हें कम-से-कम उड़ना पड़े। वो जितना उड़ेंगे, उन्हें उतनी ही पानी की जरूरत होगी और हीटस्ट्रोक का खतरा भी उतना ही होगा। पानी के साथ अगर हम उनके लिए छाया और खाना भी रख देंगे, तो उन्हें ज़्यादा भटकना नहीं पड़ेगा। वहीं, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन बेजुबान पशु-पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, गर्मियों में कई परिदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। हालाँकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते हैं। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले परिदों की प्यास बुझा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, इसलिए तपती गर्मी में अपने घरों के बाहर एवं छतों पर पानी के बर्तन रखें और हो सके तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें। घरों के बाहर पानी के बर्तन भरकर टांगें, या बड़ा बर्तन अथवा कोटना पानी भरकर रखें, जिससे मवेशी व परिदें पानी देखकर आकर्षित होते हैं। अगर सम्भव हो तो छत में भी पानी की व्यवस्था करें, छायादार जगह बनाकर वहाँ पानी के बर्तन भर कर रखें। पक्षियों के लिए चना, चावल, ज्वार, गेहूँ आदि जो भी घर में उपलब्ध हो उस चारे की व्यवस्था छतों में करें और कम पानी वाले जल



स्रोतों को गंदा न करें, इससे पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हो सकती है। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। आइए हम सब मिलकर इस भीषण गर्मी में मानवता दिखाएं। अपने घर की छत या घर के बाहर पशु, पक्षियों के दाना, पानी की व्यवस्था करें। ये एक पुण्य कार्य तो है ही साथ ही इससे आपके कई दोष भी शांत होते हैं। ईशानियत के लिए मानव होकर यह पुनीत कार्य अवश्य करें। जितना हो सके सभी बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें। बस ध्यान रखें कि

परिद और पानी नियमित साफ हो। समय समय पर मिट्टी का बर्तन साफ करते रहे, काई न जमने दें। आप इस भयंकर व तपती गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए रोज दाना-पानी रख कर उनकी जान बचाएँ। इस नेक कार्य को करके आप भी पशु-पक्षियों को जीवन-दान दे सकते हैं। तो आइए हम सब मिलकर इस तपती गर्मी में पशु-पक्षियों की मदद करेंगे, जिससे कि वो अपनी चहचहाहट से हमारा वातावरण हमेशा गुलज़ार करते रहें। इस नेक कार्य को करके आप भी पशु पक्षियों को जीवन-दान दे सकते हैं।

मान्यता के अनुसार इस गुफा में छिपा है कलयुग का अंत का राज और चारों धाम

पाताल भुवनेश्वर उत्तराखंड के कुमाऊँ मंडल के शहर अल्मोड़ा से शेरघाट होते हुए 160 किलोमीटर की दूरी तय कर पहाड़ियों के बीच बने कब्जे गंगोलीहाट में स्थित है। पाताल भुवनेश्वर में देवदार के घने जंगलों के बीच कई सारी गुफाएँ हैं। इन्हीं में से एक बड़ी गुफा में शंकर जी का मंदिर भी है। पाताल भुवनेश्वर की मान्यताओं के मुताबिक, इसकी खोज आदि जगत गुरु शंकराचार्य ने की थी। भगवान शंकर ने पांडवों के साथ खेला था चौपड़ पुराणों में लिखा है कि त्रेता युग में सबसे पहले इस गुफा को राजा ऋष्युर्ष ने देखा था, द्वार युग में पांडवों ने यहाँ शंकर भगवान के साथ चौपाड़ खेला था और कलयुग में जगत गुरु शंकराचार्य का 722 ई. के आसपास इस गुफा से साक्षात्कार हुआ तो उन्होंने यहां तांबे का एक शिवलिंग स्थापित किया। बाद में कुछ

राजाओं ने इस गुफा की खोज की थी। आज के समय में पाताल भुवनेश्वर गुफा आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। देश-विदेश से कई सैलानी इस प्राचीन गुफा और यहाँ स्थित मंदिर के दर्शन करने के लिए आते रहते हैं। इसी गुफा में है गणेश भगवान का कटा हुआ सिर हिंदू धर्म में भगवान गणेशजी को प्रथम पूज्य माना गया है। गणेशजी के जन्म के बारे में कई कथाएँ प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार भगवान शिव ने क्रोध में गणेशजी का सिर धड़ से अलग कर दिया था, बाद में माता पार्वती जी के कहने पर भगवान गणेश जी हाथी का मस्तक लगाया गया था लेकिन जो मस्तक शरीर से अलग हुआ मान्यता है कि वह मस्तक भगवान शिवजी ने पाताल भुवनेश्वर गुफा में रख दिया था। कलयुग का अंत बताता है यह पत्थर इस गुफाओं में चारों गुफाओं के प्रतीक रूप में 4

पत्थर स्थापित है। इनमें से एक पत्थर जिसे कलयुग का प्रतीक माना जाता है, वह धीरे-धीरे ऊपर उठ रहा है। यह माना जाता है कि जिस दिन यह कलयुग का प्रतीक पत्थर दीवार से टकरा जाएगा, उस दिन कलयुग का अंत हो जाएगा। होते हैं इन धामों के दर्शन इस गुफा के अंदर केदारनाथ, बद्रीनाथ और अमरनाथ के दर्शन होते हैं। बद्रीनाथ में बद्री पंचायत की शिलारूप मूर्तियाँ हैं। जिनमें यम-कुबेर, वरुण, लक्ष्मी, गणेश तथा गरुड़ शामिल हैं। तक्षक नाग की आकृति भी बनी चट्टान में नजर आती है। इस पंचायत के ऊपर बाबा अमरनाथ की गुफा है तथा पत्थर की बड़ी-बड़ी जटाएँ फैली हुई हैं। इसी गुफा में कालभैरव जी के दर्शन होते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मनुष्य कालभैरव के मुह से गर्भ में प्रवेश कर पृथ्वी तक पहुँच जाए तो उसे मोक्ष प्राप्ति होती है।

